हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 230 बेमेतरा, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मु 16 अप्रैल तक गुजरात और महाराष्ट्र की यात्रा पर

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार से 16 अप्रैल तक गुजरात और महाराष्ट्र की यात्रा पर रहेंगी, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुर्मु 13 अप्रैल को राजकोट के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहेंगी। राष्ट्रपति 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर गांधीनगर के लोक भवन में आयोजित सामाजिक समरसता महोत्सव में भाग लेंगी।

चुनाव के आंकड़ों में देरी से केरल में मचा विवाद : वी.डी. सतीशान

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता पर गंभीर चिंता जताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर 9 अप्रैल, 2026 को हुए केरल विधानसभा चुनावों से संबंधित आधिकारिक आंकड़ों के प्रकाशन में हो रही देरी को उजागर किया है। अपने पत्र में सतीशान ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया है कि मतदान समाप्त होने के तीन दिन बीत जाने के बावजूद, विस्तृत और प्रामाणिक चुनावी आंकड़े अभी तक भारतीय चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया कि निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान आंकड़े, निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान प्रतिशत और डाक मतपत्रों के आंकड़े जैसी महत्वपूर्ण जानकारी अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है।

परिसीमन, महिला आरक्षण पर सोनिया का सरकार पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक निजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे को लेकर हमला बोला है। गांधी ने सोमवार को यहां स्पष्ट तौर पर कहा कि मौजूदा समय में असली चिंता महिला आरक्षण नहीं, बल्कि प्रस्तावित परिसीमन है, जिसे उन्होंने बेहद खतरनाक और संविधान पर हमला करार दिया। अपने लेख में उन्होंने चेतावनी दी कि संसद के विशेष सत्र में जिस तरह परिसीमन का मुद्दा सामने आ रहा है।

महिला सशक्तिकरण के लिए जीवन चक्र के हर पड़ाव के लिए योजना बना रही है सरकार : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सरकार महिलाओं के सही मायने में सशक्तिकरण के लिए जीवन चक्र के हर पड़ाव के लिए विशेष योजनाएं बना रही है और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

मोदी ने गुरुवार को संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित किये जाने से पहले उसकी पृष्ठभूमिका में यहां आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारी सरकार ने महिलाओं के जीवन चक्र के हर पड़ाव के लिए योजनाएं बनाई , उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर संविधान सभा के निर्णयों तक स्वतंत्र भारत की नींव रखने में भारत की नारीशक्ति ने असीमित योगदान दिया है और देश में महिला नेतृत्व का एक बेहतरीन उदाहरण पंचायती राज संस्थाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार प्रगतिशील समाज की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से अनेक छोटे बड़े कदमों से महिलाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के जरिये महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में भी एक तिहाई आरक्षण देकर अब देश महिलाओं को सशक्त बनाकर लोकतंत्र को भी नये तरह से सशक्त बनाने जा रहा है।

उन्होंने कहा, महिलाएं उन क्षेत्रों में भी बुलंदियों को छू रही हैं जहां कभी पुरूषों का एकाधिकार माना जाता था। देश की नारीशक्ति ने अपने परिश्रम, साहस और आत्मविश्वास से नई ऊंचाइयों को छुआ है। अब हमें मिलकर इस शक्ति को नयी ऊर्जा देनी है उसके लिए अवसरों का विस्तार करना है। मोदी ने सम्मेलन में मौजूद नारी शक्ति को विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, मैं सबको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि देश उनकी आकांक्षाओं को समझता है और उन्हें पूरा करने के लिए कदम उठा रहा है।

मोदी ने महिलाओं से अपील की कि वे महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए सभी सांसदों को विश्वास में लें और उन्हें इसके समर्थन में तैयार करें। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में हुई चर्चा को भी देश के कोने कोने तक हर महिला तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, महिलाएं सांसदों से मिलकर अपना पक्ष रखें और अपनी आकांक्षा रखें । प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सभी मां और बहनों से अपील करते हैं कि वे जिस दिन यह विधेयक संसद में आये उस दिन सांसदों को फूल मालाओं के साथ विदा करें जिससे वह इस सकारात्मक निर्णय में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि आज के दिन सभी संकल्प लें कि नारी शक्ति के पास अधिकार भी रहेंगी और वह निर्णय शक्ति में भागीदार भी बनेगी। मोदी ने कहा कि वैसे तो यह लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का अधिकार है लेकिन वह चाहते हैं कि इस विधेयक के दौरान संसद की दर्शक दीर्घा महिलाओं से ही भरी रहे।

35 वार्डों में जल संकट

महापौर ने कहा-जहां समस्या वहां टैंकरों से भेज रहे पानी

रायपुर। गर्मी बढ़ने के साथ ही राजधानी रायपुर में जल संकट गहराता जा रहा है। 70 वार्डों में से 35 में पानी की किल्ल्त होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में महापौर मीनल चौबे ने कहा, जल स्रोत सूख रहे हैं। जल स्रोत उतने ही है और जनसंख्या बढ़ रही है। इसके चलते पानी की समस्या हो रही है। फिलहाल टैंकर से पानी की आपूर्ति ही विकल्प है।

महापौर चौबे ने कहा, शहर में जहां-जहां पानी की समस्या है वहां पानी टैंकर भेजा जा रहा है। एक करोड़ 50 लाख का टेंडर अभी टैंकर के लिए किया गया है। पिछले साल एक करोड़ का टेंडर हुआ था। जल आपूर्ति के लिए जल बोर्ड का भी गठन किया गया है।

बरसात का पानी बह जाता है। भूजल रिचार्ज के लिए निगम द्वारा क्या प्लान किया गया है? इस सवाल पर महापौर ने कहा, हमारे दसों जोन में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए 8 करोड़ तो कहीं 10 करोड़ जमा था, लेकिन मकानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लग पाया, जिसे राजसात किया गया।

सीआरपीएफ को बड़ी सफलता: जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की गई बरामद, इलाके में सर्चिंग तेज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर स्थित सोनाबेड़ा अभ्यारण्य के ढेकुनपानी जंगल में सीआरपीएफ जवानों को बड़ी सफलता मिली है। सर्चिंग अभियान के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार, मौके से 70 नग जिलेटिन, 3 स्टील कंटेनर और 4 बंडल इलेक्ट्रॉनिक वायर जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई ओडिशा के कोमना पुलिस कैंप की सीआरपीएफ टीम द्वारा की गई है। घटना के बाद ओडिशा पुलिस ने पूरे जंगल क्षेत्र में सर्चिंग अभियान और तेज कर दिया है, ताकि किसी भी संभावित नक्सली गतिविधि या छिपे हुए नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

सुरक्षाबलों ने 5 लाख की इनामी वांटेड महिला नक्सली रूपी रेड्डी को मार गिराया

कांकेर। कांकेर जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के मापल्ली जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। सुरक्षाबलों ने लंबे समय से वांछित 5 लाख को इनामी महिला नक्सली रूपी रेड्डी को मार गिराया। सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों का नक्सलियों से आमना-सामना हुआ, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। इस पूरे घटनाक्रम की पुष्टि मीडिया से एसपी निखिल राखेचा ने की है। मुठभेड़ के बाद मौके से रुपी रेड्डी का शव और ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों को माछपाली के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इसी दौरान जवानों का नक्सलियों से आमना-सामना हो गया। नक्सलियों की ओर से फायरिंग शुरू होते ही जबानों ने जवानी कार्रवाई की। कुछ समय तक चली इस मुठभेड़ में रूपी रेड्डी मारी गई, जबकि अन्य नक्सली मौके से फरार हो गए। रूपी रेड्डी सुरक्षा एजेंसियों के लिए लंबे समय से चुनौती बनी हुई थी। वह कई नक्सली गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा चुकी थी और उस पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

जन भवन में आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण, योगी ने बताया शिक्षा का मॉडल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन भवन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन के उद्घाटन समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में इस पहल को एक मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा जनभवन में किया गया यह अभिनव प्रयास माध्यमिक और बेसिक शिक्षा दोनों के लिए एक आदर्श उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि इस मॉडल को प्रदेश के विभिन्न जनपदों के अधिकारियों और लोगों को दिखाया जाए, ताकि खासतौर पर सीएम कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण में इसे अपनाकर आगे बढ़ाया जा सके।

उन्होंने बताया कि इस भवन के निर्माण पर कुल 5 करोड़ 17 लाख रुपये खर्च हुए हैं, जिसमें से 4 करोड़ 70 लाख रुपये राज्य सरकार द्वारा दिए गए हैं, जबकि शेष राशि सीएसआर और राज्यपाल के प्रयासों से जुटाई गई है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, जो दिखेगा वही समाज में बिकेगा। हम जैसा प्रस्तुत करेंगे, समाज वैसा ही स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी, जिस पर देश का भविष्य निर्भर है, उसे बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले संस्थानों के पास सुसज्जित और उपयुक्त भवन होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि एक अच्छा भवन शिक्षा के अनुकूल माहौल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पहली बार राजभवन की टीम ने जनभवन के रूप में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया, जो एक नई पहल है।

मुख्यमंत्री ने विद्यालय में आयोजित होने वाले स्पोर्ट्स मीट और अन्य गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के बच्चों में बहुआयामी प्रतिभा देखने को मिलती है। अपने संबोधन में उन्होंने भारत के महान वैज्ञानिकों और विद्वानों का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्यभट्ट ने शून्य और खगोल विज्ञान की अद्भुत अवधारणाएं दीं, जबकि वराहमिहिर ने आकाश के रहस्यों को उद्घाटित किया। इसी प्रकार सुश्रुत को आधुनिक सर्जरी का आधार माना जाता है, और चरक ने आयुर्वेद को वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान किया।

ईरान में अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना करने पर ट्रंप ने पोप पर साधा निशाना

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोप लियो चौदहवें पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उन्हें ऐसे धर्मगुरु की आवश्यकता नहीं है जो उनकी नीतियों का विरोध करते हों।

पोप ने ईरान में अमेरिका के कदमों की आलोचना की है। विशेष रूप से, उन्होंने ईरानी लोगों के विरुद्ध अमेरिकी धमकियों को अस्वीकार्य बताया। अप्रैल की शुरुआत में अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने सैन्य कर्मियों के लिए प्रार्थना के आह्वान किया था, जिसके बाद पोप ने एक प्रवचन में कहा था कि प्रभुत्व जमाने की इच्छा ईसा मसीह के मार्ग के अनुरूप नहीं है। अमेरिकी नेता ने 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिये जिसे लगता हो कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है। मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिये जिसे अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला करना भयानक लगता हो, जबकि वेनेजुएला संयुक्त राज्य अमेरिका में भारी मात्रा में नशीले पदार्थ भेज रहा था। इससे भी बुरा यह कि वेनेजुएला अपनी जेलों से हत्यारों और मादक पदार्थों के तस्करों को हमारे देश में भेज रहा था। मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिये जो संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की आलोचना करे, जबकि मैं तो केवल वही कर रहा हूं, जिसके लिये मुझे भारी बहुमत से चुना गया है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यदि वह व्हाइट हाउस में न होते, तो लियो वेटिकन में नहीं होते।

इस्लामाबाद में 'सहमति' के बहुत करीब होने के बावजूद ईरान को नयी शर्तों और प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा : अराघची

नयी दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्लामाबाद वार्ता की विफलता के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुये कहा है कि 'बदलती शर्तों और प्रतिबंधों' को हमारे सामने रखा गया। अराघची ने सोमवार को 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, वार्ता के दौरान सहमति के बहुत करीब होने के बावजूद बदलती शर्तों और प्रतिबंधों को हमारे समक्ष लाया गया। अराघची ने एक अन्य पोस्ट में कहा, कोई सबक नहीं सीखा गया।

अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने से शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच हार्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बढ़ने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों और रुपये में शुरुआती गिरावट देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,613.09 अंक टूटकर 75,937.16 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 1,530.50 अंक नीचे 76,019.75 अंक पर था। अमेरिका के हार्मुज जलडमरूमध्य को अपने नियंत्रण में लेने के बयान के बाद रुपये पर भी दबाव आया।

महिला आरक्षण से आधी आबादी को मिलेगा उनका पूरा हक

निर्णय प्रक्रिया में बढ़ेगी भागीदारी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में नई दिल्ली के विज्ञान भवन से प्रसारित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह देश की मातृशक्ति के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी एवं सशक्त बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' नारी की भागीदारी सुनिश्चित करने का यह प्रयास नए भारत की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को रेखांकित किया कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सीधी भागीदारी ही विकसित भारत की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर होने वाली चर्चा इस ऐतिहासिक पहल को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा में नारी को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। वैदिक काल से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं की भूमिका समाज के निर्माण और विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। हमारी डबल इंजन सरकार की विभिन्न योजनाओं ने इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में सशक्त रूप दिया है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, जिसका सकारात्मक प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। साथ ही 'महतारी वंदन योजना' जैसी पहल माताओं-बहनों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बना रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि जब देश में महिला आरक्षण पर ऐतिहासिक चर्चा हो रही है, उसी समय छत्तीसगढ़ 'महतारी गौरव वर्ष' मना रहा है। उन्होंने कहा कि 'छत्तीसगढ़ महतारी' का सम्मान और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी प्रदेश की पहचान बन चुकी है।

भटके कदमों को नई दिशा: सुकमा में पुनर्वास से विकास की कहानी लिख रही है सरकार

सुकमा। नक्सल आतंक से लंबे समय तक प्रभावित रहे सुकमा में अब शांति, विश्वास और विकास की नई तस्वीर उभर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिला मुख्यालय स्थित पुनर्वास केंद्र का दौरा कर वहां संचालित पुनर्वास एवं कौशल विकास गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पुनर्वासित लोगों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव जाने और उन्हें मुख्यधारा से जुड़कर नया जीवन प्रारंभ करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार भटके हुए लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक जीवन, रोजगार और आगे बढ़ने के समान अवसर देने के लिए दृढ़संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पुनर्वासितों की आंखों में दिखता आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि यदि सही अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो हर भटका हुआ कदम नई दिशा और नया जीवन प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्रभावी नक्सल पुनर्वास नीति के चलते सुकमा सहित बस्तर क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

अब तक 2392 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है।

शिक्षकों की कमी और लिपिकों की तैनाती, चांपा जनगणना आदेश पर उठे सवाल

नगरपालिका चांपा में जनगणना ड्यूटी को लेकर बड़ा विवाद, लिपिकों पर डाली गई जिम्मेदारी

चांपा/मूक पत्रिका

चांपा नगर पालिका क्षेत्र में आगामी जनगणना कार्य को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। 01 मई से 30 मई तक प्रस्तावित जनगणना कार्य के लिए जहां शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अनुसार प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं के सहायक शिक्षकों व शिक्षकों की ड्यूटी प्रगणक के रूप में लगाई जानी चाहिए, वहीं नगर पालिका चांपा में इसके विपरीत लिपिकों की ड्यूटी लगाए जाने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, नगर के कई विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के नाम जनगणना प्रशिक्षण आदेश में शामिल नहीं किए गए हैं, जबकि नगर स्थित डीडीओ प्राप्त संस्थाओं के लगभग सभी लिपिकों की ड्यूटी प्रगणक के रूप में लगा दी गई है। इससे न केवल शिक्षकों की कमी उजागर हुई है, बल्कि शासन के नियमों की अनदेखी का आरोप भी लगाया जा रहा है।इसी विषय को लेकर आज छत्तीसगढ़ प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के उप प्रांताध्यक्ष कौशलेश सिंह क्षत्री के नेतृत्व में नगर के सभी लिपिकों ने जनगणना प्रशिक्षण केंद्र में मुख्य नगरपालिका अधिकारी राम संजीवनी सोनवानी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।कौशलेश सिंह क्षत्री ने बताया कि भारत सरकार के नियमों के अनुसार जनगणना में प्रगणक की जिम्मेदारी प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल शिक्षकों को दी जानी चाहिए, जिसका पालन जिले की अन्य तहसीलों में किया जा रहा है। इसके बावजूद नगर पालिका चांपा में लिपिकों की ड्यूटी लगाना नियमों के विपरीत है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर के कई स्कूलों के शिक्षकों का नाम ड्यूटी सूची में नहीं होना गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। संघ का आरोप है कि शासन द्वारा केवल गर्भवती, गंभीर बीमारी से ग्रसित, दिव्यांग या शीघ्र सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को ही ड्यूटी से मुक्त किए जाने का प्रावधान है। बिना ठोस कारण के शिक्षकों को ड्यूटी से अलग रखना उच्च कार्यालयों की लापरवाही या कथित सिफारिश का परिणाम हो सकता है। संघ के जिलाध्यक्ष विशाल वैभव ने नगर पालिका द्वारा जारी इस आदेश की कड़ी निंदा करते हुए समय रहते संशोधन की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आदेश में सुधार नहीं किया गया, तो कलेक्टर से मिलकर इस विषय को गंभीरता से उठाया जाएगा। संघ ने स्पष्ट किया कि जिले में इस प्रकार का तानाशाही रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।ज्ञापन सौंपने वालों में जितेंद्र साहू, कमलेश कुमार शुक्ला, कृष्णा यादव, चंद्र प्रकाश यादव, कविता कांत, सीता देवी, संतोष यादव, उदित नारायण कंवर सहित नगर की विभिन्न संस्थाओं के लिपिक उपस्थित रहे।

बेमेतरा में सहकारिता का विस्तार-38 नई सेवा सहकारी समितियों का गठन, 15 अप्रैल को होगा वर्चुअल शुभारंभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा में किसानों को सशक्त बनाने और सहकारिता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के सभी किसान परिवारों तक सहकारिता की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु 38 नई सेवा सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इन नवीन समितियों में मर्या. ओड़िया, पिपरीया, परसबोड़, भटगांव, जानो, लुक, मासुलगोंदी, नवागांवकला, कंदई, तेंदुवा, केशडबरी, हरदी, सांकरा, कुम्ही, लावातरा, भाठासोहरी, आन्दु, परपोड़ा, बसनी, गांगपुर, खैरझिटी, बिटकुली, लालपुर, जांता, बटार, पड़कीडीह, करचुवा, मजगांव, जंगलपुर, गनिया, झुलना, मेहना, कुंवा, चिचोली, एरमशाही, गनियारी, तेन्दुआ एवं झिलगा शामिल हैं।

किसानों को मिलेंगी बहुआयामी सुविधाएं

इन नई सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से अब किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक, कृषि यंत्र एवं ऋण की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही किसान अपनी उपज जैसे धान, चना, सोयाबीन, सरसों, मसूर आदि को पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक तरीके से समितियों के माध्यम से बेच सकेंगे। समितियों के बहुद्देशीय बनने से आम नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। लोक सेवा केन्द्र के रूप में संचालित इन समितियों में बिजली बिल भुगतान, टिकट बुकिंग, मोबाइल रिचार्ज, ऑनलाइन आवेदन, बी-1, खसरा-नक्शा निकालने जैसी दैनिक जरूरतों की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

15 अप्रैल को होगा वर्चुअल शुभारंभ

15 अप्रैल 2026 को श्री विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन एवं सहकारिता मंत्री द्वारा इन नवीन समितियों का वर्चुअल शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले की सभी 38 नई सहकारी समितियों में किया जाएगा।

खरीफ2026-27 के लिए विशेष कार्यक्रम

इस आयोजन के दौरान खरीफ वर्ष 2026-27 हेतु किसानों को ऋण वितरण, नवीन सदस्यता ग्रहण, खाद वितरण एवं किसान क्रेडिट कार्ड (चष्ष्ट) बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी संपन्न किए जाएंगे।

किसानों से सहभागिता की अपील

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समिति अध्यक्षों, कर्मचारियों एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्षेत्र के सभी किसानों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी सेवा सहकारी समिति में उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लें एवं उपलब्ध सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।

लिप्ती में राजस्व शिविर सम्पन्न, मौके पर ही सुलझे कई मामले, ग्रामीणों को मिली राहत..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर अप्रैल से जून तक ग्राम पंचायतों में राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को सरिया तहसील के ग्राम पंचायत लिसी में शिविर लगाया गया, जहां ग्रामीणों के छोटे-बड़े राजस्व मामलों का मौके पर समाधान किया गया। शिविर में लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली और कई लंबित प्रकरणों का निराकरण कर राहत दी गई।शिविर के आयोजन को लेकर पहले से ही व्यापक तैयारी की गई थी। रोजगार सहायक संतोष कुमार पटेल ने बताया कि ग्रामीणों को समय पर सूचना देने के लिए कोटवार के माध्यम से मुनादी कराई गई थी, जिससे अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याएं लेकर शिविर में पहुंचे। इसका असर यह रहा कि ग्रामीणों ने सक्रियता से भाग लेकर अपने राजस्व संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए।इस दौरान पटवारी प्रहलाद सिदार, सरपंच संन्यासी सिदार, सचिव दयानिधि देहरी, पूर्व जनपद सदस्य मनोज बारीक, जनपद सदस्य प्रतिनिधि संजय बारीक, रोजगार सहायक संतोष कुमार पटेल, कोटवार सेंतराम नंद सहित पंचायत के अन्य प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर ही सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा और अन्य जरूरी कार्यों की प्रक्रिया पूरी की। गौरतलब है कि 13 अप्रैल को सरिया तहसील के नौघटा, पिहरा, लिसी और लुकापारा समेत जिले के अन्य तहसीलों के विभिन्न ग्राम पंचायतों में राजस्व शिविर लगाए गए थे। इन शिविरों में सीमांकन, अविवादित नामांतरण, त्रुटि सुधार, जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र सहित कई महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ ग्रामीणों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया, जिससे लोगों का समय और खर्च दोनों बचा।

भटली निवासी प्रदीप सतपथी के सुपुत्र के व्रतोपयन संस्कार में जुटे जनप्रतिनिधि, वटुक सोमेश को मिला आशीर्वाद..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया मंडल अध्यक्ष एवं भटली निवासी प्रदीप सतपथी के सुपुत्र सोमेश सतपथी के व्रतोपयन संस्कार का आयोजन पारंपरिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और परिजन शामिल हुए तथा वटुक सोमेश को आशीर्वाद देकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक, जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा राधामोहन पाणिग्राही, जिला सोशल मीडिया प्रभारी चूड़ामणि पटेल, जिला महामंत्री नारायण प्रधान, जिला महामंत्री महेश बारिक, मंडल अध्यक्ष बरमकेला राजकिशोर पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष परदेशी प्रधान, पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष राजकिशोर पाणिग्राही, मंडल उपाध्यक्ष नवीन प्रधान, सेवकराम पटेल, जयरतन पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता मुरलीधर पटेल, आनंद सा, मंडल अध्यक्ष लेंध्रा शारदा मालाकार, प्रेमलता पटेल, ललिता पटेल, आकांक्षा बेहरा, भाजयुमो अध्यक्ष सरिया शिवांशु गुरु, मंडल अध्यक्ष बरमकेला गोकुल विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष लेंध्रा राकेश पटेल, वरुण पटेल, मधुसूदन श्रीवास, भीमसेन पटेल, शुकदेव दुआन, अजय पटेल, ओंकार चौधरी, रोशन पटेल, राधाकांत देहरी, सोशल मीडिया प्रभारी सुरेश पटेल सहित सैकड़ों की संख्या में पारिवारिक जन उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक माहौल बना रहा और सभी ने वटुक सोमेश को शुभाशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से साकार होगा सशक्त नारी, सशक्त भारत का संकल्प-चंदा गुप्ता

रायगढ़/मूक पत्रिका

खैरपुर की उपसरपंच एवं धाकड़ महिला नेत्री श्रीमती चंदा गुप्ता ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में चलाए जा रहे जनजागरण अभियान को लेकर विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि ÷सशक्त नारी, सशक्त भारत÷ का संकल्प अब साकार रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं को 33त्न आरक्षण दिए जाने का प्रावधान देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को ऐतिहासिक रूप से बढ़ाएगा।श्रीमती गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को नेतृत्व के नए अवसर प्रदान करेगा और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगा, जिससे देश के विकास को नई दिशा मिलेगी।उन्होंने आमजन, विशेषकर महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वे इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में आगे आएं और अधिक से अधिक संख्या में अपने समर्थन को दर्ज कराएं। इसके लिए जारी हेल्पलाइन नंबर पर मिस्ड कॉल कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की जा सकती है। चंदा गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि हर महिला अपने अधिकारों को समझे और समाज में अपनी सशक्त भूमिका निभा सके।

शिक्षा के मंदिर को किया शर्मसार .. शिक्षक शराब के नशे में पहुंचे स्कूल, जनप्रतिनिधियों - पालकों में आक्रोश

लैलूंगा (रायगढ़)/मूक पत्रिका

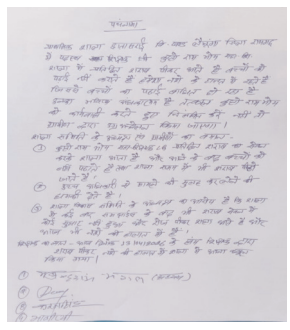

शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालय की गरिमा उस समय धूमिल हो गई, जब एक शिक्षक के शराब के नशे में स्कूल पहुंचने का मामला सामने आया। यह घटना लैलूंगा विकासखंड के प्राथमिक शाला छातासराई की है, जहां पदस्थ सहायक शिक्षक कुष्ठो राम भोय पर नशे की हालत में विद्यालय आने का आरोप लगा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षक के इस व्यवहार से विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों और पालकों का कहना है कि शिक्षक प्रतिदिन शराब के नशे में स्कूल पहुंचते हैं, जिससे न केवल शैक्षणिक वातावरण खराब हो रहा है, बल्कि बच्चों के भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार शिक्षक को समझाइश दी गई, लेकिन उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। अंततः ग्रामीणों और शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने संकुल समन्वयक को पंचनामा सौंपते हुए संबंधित शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।पंचनामा में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिक्षक विद्यालय समय में शराब के नशे में पाए गए और कई बार बिना सूचना के अनुपस्थित भी रहते हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

गोबरसिंहा के तोरेसिंहा बस्ती में भाजपा का जनसंपर्क अभियान, योजनाओं का लिया गया फीडबैक..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

गांव चलो बस्ती चलो÷ अभियान के तहत गोबरसिंहा के तोरेसिंहा बस्ती में भाजपा नेताओं ने पहुंचकर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का जमीनी फीडबैक लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राधामोहन पाणिग्राही, संयोजक राजु अग्रवाल, सहकारी समिति अध्यक्ष मुरलीधर पटेल, बूथ अध्यक्ष उत्तम पटेल, युवा नेता राहुल पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानी गई।कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बताया कि सरकार की कई योजनाएं अब जमीन पर नजर आ रही हैं, जिससे आम लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों ने बताया कि अब बड़ी संख्या में आवास स्वीकृत हो रहे हैं और उन्हें समय पर राशि मिल रही है। पहले जहां सीमित संख्या में आवास स्वीकृत होते थे, वहीं अब गरीबों का पक्का घर का सपना तेजी से पूरा हो रहा है।महिला हितग्राहियों से महतारी वंदन योजना को लेकर चर्चा की गई, जिसमें अधिकांश महिलाओं ने अपने खाते में नियमित राशि मिलने की पुष्टि की और योजना की सराहना की। वहीं पेंशनधारियों और बुजुर्गों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना गया तथा अंगवस्त्र और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव के युगल बरेठ के कार्यों की भी सराहना की गई। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने अपने निजी खर्च से तालाब का गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और मंदिर निर्माण कराया है। इस जनहित कार्य के लिए भाजपा नेताओं ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में दीपलाल सिदार, राजु सिदार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और हितग्राही उपस्थित रहे।

किसान परिवार की महिलाओं को मिलेगी नई उड़ान, नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए लाएगी क्रांति : दक्ष वैद्य साहू

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा है कि ÷नारी शक्ति वंदन अधिनियम÷ महिला सशक्तिकरण की दिशा में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा उठाया गया एक ऐतिहासिक व क्रांतिकारी कदम है। यह अधिनियम केवल कागजी घोषणा नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से मुख्यधारा में लाने का संकल्प है। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि सदियों से भारत की नारी शक्ति ने परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सीमित रही। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी असंतुलन को समाप्त कर महिलाओं को संवैधानिक रूप से बराबरी का अधिकार देता है। यह कानून महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान की गारंटी देता है और उन्हें विकास की धुरी बनाता है।उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33त्न आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इससे पंचायत से लेकर संसद तक महिलाएँ नीति-निर्माण में सीधी भागीदार बनेंगी। यह कदम ग्रामीण अंचल, कृषि क्षेत्र और श्रमिक परिवारों की महिलाओं के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी साबित होगा, क्योंकि अब गाँव की बेटी भी देश की नीति तय करेगी। श्री वैद्य ने बताया कि अधिनियम का दायरा केवल राजनीतिक आरक्षण तक सीमित नहीं है। इसके अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, स्टार्टअप, मुद्रा लोन, स्वयं सहायता समूह और डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को विशेष सहायता, प्रशिक्षण और अनुदान देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। किसान परिवारों की महिलाओं को कृषि उद्यमिता, खाद्य प्रसंस्करण और बाजार लिंकेज से जोड़कर उनकी आय दोगुनी करने का रोडमैप भी इसमें शामिल है। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश के हर जिले, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर ÷नारी शक्ति वंदन जागरूकता अभियान÷ चलाएंगे। नुक्कड़ सभाओं, चौपाल, सोशल मीडिया अभियान और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से महिलाओं को उनके कानूनी अधिकार, सरकारी योजनाओं और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। युवाओं को इस अभियान से जोड़कर ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से बेटी बढ़ाओ÷ का संदेश घर-घर पहुँचाया जाएगा।

जल संकट पर विशेष प्राथमिकता

आरंग जनदर्शन में 179 आवेदन प्राप्त : मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के निर्देश पर अधिकांश का मौके पर निराकरण

आरंग/रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा आरंग स्थित नेता चौक, क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सीधे मंत्री जी के समक्ष प्रस्तुत की। जनदर्शन के दौरान कुल 179 आवेदन प्राप्त हुए, जो विभिन्न विभागों - जैसे पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत व्यवस्था, राजस्व प्रकरण, सामाजिक योजनाएं एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित थे। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए पेयजल संकट से जुड़े मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कैबिनेट मंत्री जी ने उपस्थित अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान नहीं होना पड़े, इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें और त्वरित राहत प्रदान करें। मंत्री जी के निर्देशानुसार कार्य स्थल पर ही सक्रियता दिखाते हुए विभागीय अधिकारियों द्वारा अधिकांश आवेदनों का मौके पर त्वरित निराकरण किया गया। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उन्हें प्राथमिकता में लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। जनदर्शन में सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान के लिए तत्परता दिखाई। यह कार्यक्रम प्रशासनिक जवाबदेही और संवेदनशीलता का एक सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करें। जनदर्शन कार्यक्रम शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का एक प्रभावी मंच साबित हुआ, जिससे नागरिकों में विश्वास, संतोष और प्रशासन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण देखने को मिला।

सिटी बस की प्रमुखता से की गई मांग- क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आरंग युवा शक्ति परिवार के प्रमुख विनोद साहू ने रायपुर से आरंग सिटी बस प्रारंभ करने की मांग की। उक्त मांग पर कैबिनेट मंत्री ने रायपुर से आरंग के लिए सिटी प्रारंभ करवाने का पूर्ण रूप से आश्वासन दिया।

नारीशक्ति वंदन सम्मेलन का कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के साथ साक्षी बनी आरंग क्षेत्र की मातृशक्ति-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ÷नारी शक्ति वंदन अधिनियम÷ महिला सशक्तीकरण की दिशा में दूरदर्शी पहल है। विज्ञान भवन नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतिथ्य में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का लाइव प्रसारण क्षेत्रीय कार्यालय आरंग में किया गया। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के साथ क्षेत्र की नारीशक्ति ने सीधा प्रसारण देखा व स्वर्णिम क्षण का साक्षी बना। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को समान अवसर, अधिकार और सम्मान प्रदान करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में प्रभावी रूप से स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है।विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब हमारी मातृशक्ति को उनका उचित अधिकार, सम्मान और सहभागिता पूर्ण रूप से प्राप्त होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री संकल्पित हैं।

जनगणना 2027 : जांजगीर–चांपा में प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्रारंभ

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जनगणना 2027 की प्रक्रिया जिला जांजगीर-चांपा में प्रारंभ हो गई है। शासन के निर्देशानुसार आज से जिले के समस्त ब्लॉक मुख्यालयों और नगर पालिकाओं में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए प्रथम चरण मकानों की सूची और आवास जनगणना का गहन प्रशिक्षण आयोजित की गई। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा है कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें डेटा की शुद्धता और गोपनीयता सर्वोपरि है। इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से मकान सूचीकरण और जनगणना के लिए निर्धारित नए मापदंडों की जानकारी दी जा रही है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों को मोबाइल ऐप और पोर्टल के माध्यम से डेटा प्रविष्टि करने का व्यावहारिक अभ्यास कराया जा रहा है।प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रगणक फील्ड में जाते समय प्रत्येक बिंदु पर स्पष्ट जानकारी दर्ज करें। डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर करने कहा गया। प्रत्येक आवासीय और गैर-आवासीय भवन की नंबरिंग और उसकी स्थिति (पक्का, कच्चा, खपरैल आदि) की सटीक पहचान करना। प्रत्येक वार्ड और गांव के लिए नजरी नक्शा तैयार करने की विधि सिखाई गई ताकि कोई भी क्षेत्र गणना से बाहर न रहे। कर्मचारियों को प्रशिक्षण में बताया गया कि नागरिक द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जानी है और इसे केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाए। साथ ही प्रगणकों को सेंसस मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में डेटा सिंक करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।अब नागरिक खुद कर सकेंगे अपनी गणना -जिले में शासन के निर्देशानुसार आगामी जनगणना कार्यों को सुगम और सटीक बनाने के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अब जिले के नागरिकों को गणना कर्मियों के घर आने का इंतजार नहीं करना होगा; वे स्वयं पोर्टल के माध्यम से अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे।क्या है स्व-गणना अभियान - नागरिक निर्धारित सरकारी पोर्टल (https://se.census.gov.in/) पर लॉगिन करके अपनी व्यक्तिगत और पारिवारिक जानकारी सुरक्षित तरीके से भर सकते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य डेटा संकलन में पारदर्शिता लाना और समय की बचत करना है।स्व-गणना के लाभ - स्व-गणना के माध्यम से परिवार का मुखिया स्वयं जानकारी भरता है, जिससे त्रुटि की संभावना कम हो जाती है। डेटा सीधे सरकारी सर्वर पर सुरक्षित रहता है। नागरिक अपनी सुविधानुसार किसी भी समय (निर्धारित समयावधि के भीतर) जानकारी अपडेट कर सकते हैं। जिला प्रशासन सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे इस डिजिटल पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। स्व-गणना न केवल एक नागरिक जिम्मेदारी है, बल्कि यह भविष्य की सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का आधार भी है।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं

जनदर्शन में 82 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत बीते सोमवार को कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। सोमवार को आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 82 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना के लिए e-KYC को लेकर गांव-गांव जागरूकता, विजयपुर में टीम सक्रिय..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

महतारी वंदन योजना के तहत अब द्गन्चङ्घष्ट को अनिवार्य किए जाने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में हलचल तेज हो गई है। सरिया तहसील अंतर्गत लिंसी पंचायत के ग्राम विजयपुर में व्हीएलई सुदामा प्रधान, रोजगार सहायक संतोष कुमार पटेल और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ललिता निषाद द्वारा घर-घर जाकर महिलाओं का द्गन्चङ्घष्ट किया जा रहा है। टीम लगातार सक्रिय रहकर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने में जुटी हुई है। राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि 1 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक द्गन्चङ्घष्ट प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जिन महिलाओं का द्गन्चङ्घष्ट नहीं होगा, उन्हें मिलने वाली ?1000 प्रतिमाह की राशि अगली किस्तों में रुक सकती है। ऐसे में प्रशासन और स्थानीय टीमों द्वारा लोगों को समय रहते प्रक्रिया पूरी करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि द्गन्चङ्घष्ट पूरी तरह निःशुल्क है और इसके लिए आधार कार्ड तथा मोबाइल नंबर की आवश्यकता होती है। कई जगहों पर ऑनलाइन सिस्टम, बायोमेट्रिक सत्यापन और आधार लिंकिंग के माध्यम से तेजी से काम किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।

ग्राम विजयपुर में चल रहे इस अभियान को लेकर महिलाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय टीम की पहल से अब अधिक से अधिक महिलाएं आगे आकर द्गन्चङ्घष्ट करा रही हैं। प्रशासन ने भी अपील की है कि अंतिम तिथि से पहले सभी हितग्राही अपनी प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो।

भैरमगढ़ में हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा और गृहमंत्री विजय शर्मा का पुतला फूँका

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा भाजपा का बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ का नारा कागजों तक, दुष्कर्म के दोषियों पर हो कठोर कार्यवाही

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक नाबालिग बालिका के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। इस अमानवीय वारदात के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर ने सोमवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में प्रेस वार्ता किया और भाजपा व छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा का पुतला फूँका और जमकर नारेबाजी की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ÷जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है, तब से बीजापुर समेत पूरे बस्तर संभाग में दुष्कर्म और महिलाओं-बच्चियों के खिलाफ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। संयोग से इनमें से कई घटनाओं के पीछे भाजपा के सक्रिय नेता और कार्यकर्ता ही शामिल पाए जा रहे हैं। यह साफ दिखाता है कि भाजपा शासन में कानून का राज नहीं, बल्कि अराजकता और जंगलराज का राज चल रहा है।÷विधायक विक्रम मंडावी ने भैरमगढ़ की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए आगे कहा ÷एक तरफ भाजपा सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का बड़ा-बड़ा नारा देती है, और दूसरी तरफ उसी भाजपा के लोग नाबालिग बच्चियों के साथ दरिंदगी कर रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। भाजपा के राज में न तो बेटियां सुरक्षित हैं, न ही आम नागरिक। बीजापुर सहित पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकार के पास ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस योजना या इच्छाशक्ति नहीं है।÷ विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा, ÷यदि सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाती है तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाओं के खिलाफ और भी उग्र प्रदर्शन किए जाएंगे। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर हैं।÷ प्रेस वार्ता और प्रदर्शन व पुतला फूँकने के दौरान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नीना रावतिया उद्दे, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व पार्षद बेनहुर रावतिया, मीडिया प्रभारी राजेश जैन, पूर्व युवा आयोग सदस्य प्रवीण डोंगरे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम खत्री, कविता यादव, राजीव सिंह, कल्याण सिंह, बाबूलाल राठी, एमैया जंगम, जग्गी सेन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनगणना 2027 की तैयारियां तेजः बेमेतरा में प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनगणना 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीते सोमवार को आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, बेमेतरा में जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के प्रगणकों (ऐनुमैरेटर्स) एवं पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजरस) की सहभागिता रही, जिन्हें जनगणना कार्य से संबंधित दायित्वों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों द्वारा जनगणना के विभिन्न चरणों, घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, आंकड़ों के सटीक संकलन एवं गोपनीयता बनाए रखने के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि किस प्रकार प्रत्येक परिवार की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय जानकारी को सावधानीपूर्वक संकलित किया जाना है, जिससे शासन को योजनाओं के निर्माण में सटीक आधार मिल सके।

कार्यक्रम में डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को मोबाइल एप एवं ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से डेटा एंट्री, अपडेट एवं मॉनिटरिंग की प्रक्रिया समझाई गई। डिजिटल माध्यम से कार्य करने के लाभ, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज ने प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने जनगणना को एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य बताते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूर्ण जिम्मेदारी, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सटीक जनगणना से ही विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो पाता है।

बेरला ब्लॉक के ग्राम रांका कठिया में कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेरला ब्लॉक के ग्राम रांका कठिया मंडल में कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया तथा पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि *बुथ एवं पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन अति शीघ्र किया जाना चाहिए तथा बूथ कांग्रेस कमेटी के गठन में बूथ स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सलाह एवं स्वीकार्यता को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इस कार्य में किसी प्रकार का विलंब न किया जाए। साथी साथ उन्होंने यह भी कहा कि संगठन ने आपको यह अवसर दिया है कि आप इस संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं कांग्रेस पार्टी की असली ताकत कांग्रेस का कार्यकर्ता ही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धीरज नहीं खोता जनहित की मुद्दों पर सत्ता और सरकार से टकराने में भी हिचक नहीं करता आज अगर हमें कांग्रेस संगठन ने पदाधिकारी बनाया है तो हमारा दायित्व है कि हम संगठन के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दें कांग्रेस संगठन को ऊंचाई में ले जाने के लिए जो भी अपनी ओर से योगदान हो सकता है वह सभी करें आज कांग्रेस आम जनता की आशा का केंद्र है ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कांग्रेस संगठन को प्रत्येक बूथ स्तर पर पहले की अपेक्षा अत्यधिक संगठित एवं सशक्त करने की बात कही जिसके लिए लगातार संगठन में कार्य किया जा रहा है अनुभवी एवं युवा उत्साहियों को अवसर प्रदान किया जा रहे हैं लगातार संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं को आम जनता से संपर्क बनाने एवं उनकी समस्याओं के लिए जुझारू बनने की समझाइए दी जा रही है लगातार क्षेत्र में क्षेत्र वासियों से अपेक्षित सहयोग भी मिल रहा है आने वाले समय में कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं समर्पण से कांग्रेस संगठन को और अत्यधिक मजबूत किया जाएगा इस अवसर पर बेरला ब्लॉक अध्यक्ष विवेक सिंह राजपूत ललित विश्वकर्मा दिलेश्वर साहू सह प्रभारी ललित गुप्ताजिला कार्यकारणी सदस्य शेख शरीफकुरैशी बेरला जनपद सदस्य प्रतिनिधि विजय हड्डुह्लहड्डु4 बसन्त भारतद्वाज अशोक साहू,रांका कठिया मंडल अध्यक्ष धनेंद्र महावीर साहू जितेंद्र जोशीमोनल सिन्हा रूप लाल निषाद रिंकू बंजारे कविलाश साहू अर्जुन साहू बजारू याद लेडगा साहू ऋषि साहू यशवंत साहू लक्ष्मण साहूजयपाल साहू मनहरण साहू कमलेश टंडन सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

चांपा थाना क्षेत्र के 20 से अधिक निवेशक फंसे झांसे में, शेयर मार्केट में खपाने के लिए लुटाए रकम

अत्यधिक ब्याज के प्रलोभन में आकर निवेशकों गंवाए 50 करोड़

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

चांपा थाना क्षेत्र के एक हरीशंकर गुप्ता नाम का शख्स शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 100 से अधिक लाभार्थियों का 50 करोड़ रुपए लेकर चंपत हो गया। अब इतनी भारी भरकम रकम पाने के लिए लाभार्थी/निवेशक उसकी तलाश कर रहे हैं लेकिन वह बीते 8 माह से भूमिगत हो चुका है। बड़ी बात यह है कि लाभार्थी थाना में मामले की रिपोर्ट लिखाने जा रहे हैं लेकिन पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है। इसके चलते लाभार्थी परेशान हैं। हरीशंकर गुप्ता निवासी पोंड़ीकला जो चांपा के मारूती विहार कालोनी में बीते 8-9 साल से निवास करता था। पहले तो उसने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को 3 फीसदी मासिक ब्याज का झांसा देकर 20 से अधिक प्रतिनिधि तैयार किए। इन प्रतिनिधियों से किसी से 10 लाख तो किसी से 20 लाख रुपए लिए और बाकायदा तय समय पर ब्याज की रकम को दे देता था। अच्छा खासा ब्याज मिलने पर उसके ग्राहक बढ़ते गए। इतना ही नहीं ब्याज के रूप में मोटी रकम मिलते गया और उसे ब्याज देने वालों की संख्या बढ़ती गई। बीते 8 साल में उसके ग्राहक इतने बढ़ गए कि उसके पास तकरीबन 50 करोड़ रुपए से अधिक की रकम जमा हो गया। आखिरकार एक दिन ऐसा समय आया कि हरीशंकर गुप्ता तकरीबन 50 करोड़ रुपए लेकर भूमिगत हो गया। जब लाभार्थियों को ब्याज की रकम तय समय में नहीं मिला तो वे हरीशंकर की तलाश शुरू कर दी। लेकिन वह अचानक भूमिगत हो गया। अब उसकी तलाश में लाभार्थी दर-दर भटकने मजबूर हो रहे हैं, लेकिन उसका पता नहीं चल रहा है। थक-हारकर निवेशक अब थाने के चक्कर काटने मजबूर हो रहे हैं, लेकिन हरीशंकर गुप्ता का पता नहीं चल पा रहा है। ऐसे समझिए ब्याज का गणित - हरीशंकर ने पहले 20 से 30 ऐसे एजेंट बनाए जिन्होंने मार्केट से 3 प्रतिशत मासिक ब्याज देने का प्रलोभन देकर ग्राहक तलाश किए। मार्केट में इन्हें इतने ज्यादा ग्राहक मिलते गए कि उन्हें करोड़ों रुपए का टर्नओवर मिल गया। एजेंट ग्राहकों को दो प्रतिशत मासिक ब्याज देते थे और खुद एक प्रतिशत घर बैठे कमाते थे। हैरत की बात यह रही कि एजेंटों को 10-10 लाख रुपए तक के ग्राहक मिलते गया, क्योंकि उन्हें 10 लाख रुपए में 30-30 हजार रुपए तक घर बैठे मिलता था। इससे उनकी ग्राहकी बढ़ते गई। जब हरीशंकर गुप्ता का नेटवर्क बढ़ा तो 50 करोड़ रुपए लेकर रफूचक्कर हो गया। इन्होंने गंवाई मोटी रकम - शिकायतकर्ता सुनिल शराफ़ एवं निरंजन दुबे सहित अन्य के मुताबिक ठग करने वाला हरीशंकर गुप्ता ने तकरीबन 20 से 30 बड़े निवेषकों से 50 करोड़ रुपए लिए हैं। जिसमें एजेंटों ने मार्केट से भी बड़ी रकम जुटाई थी। क्योंकि 3 से 4 प्रतिशत मासिक ब्याज में कोई भी इन्हें मोटी रकम दे देता था। बताया जा रहा है कि चांपा के सैकड़ों लोगों ने हरीशंकर के झांसे में आकर 50 करोड़ रुपए इन्वेस्ट किया था। बैंक में बतौर कर्मचारी बनकर करता था काम - बताया जा रहा है कि हरीशंकर गुप्ता चांपा के यूनियन बैंक में बतौर एम्पलाई बनकर काम करता था। बकायदा वह काउंटर में बैठकर रकम लेना-देना करता था। इसके चलते लोगों में विश्वास था कि वह बैंक का कर्मचारी है। आखिर कैसे ठगी कर सकता है। उसके बैंक में रौब देखकर उसे आसानी से रकम दे देते थे। हरीशंकर भी ग्राहकों को बैंक से ही लेन-देन करता था। उसका कहना था कि वह शेयर मार्केट में पैसा इन्वेस्ट करता था और केसीसी लोन में बड़ा प्राफिट होता है कहकर लोगों से मोटी रकम इन्वेस्ट कराता था। इतना ही नहीं वह गोल्ड लोन दिलाने के नाम पर भी बड़ी रकम इन्वेस्ट कराता था। आखिरकार सभी ग्राहक ठगी के शिकार हो गए। एजेंट अब भूमि बेचकर लौटा रहे रकम तो कोई अपनी प्रापर्टी बेच रहा - एजेंट सनील सराफ के मुताबिक वह भी इस फील्ड में बढ़-चढ़कर काम किया। कई ग्रहकों से वह भी मोटी रकम लिया था। अब छोटे ग्राहक उनके ऊपर चढ़ाई कर रहा। इसी तरह निरंजन महराज भी छोटे ग्राहकों से पैसे लिए थे। उनके ऊपर भी बड़ा दबाव है। वह भी अब अपनी जमीन बेचकर ग्राहकों का पैसा वापस कर रहा है। क्योंकि हरीशंकर का कुछ पता नहीं चल पा रहा है।

+--------------

मामले की शिकायत आई है। एसपी आफिस में भी सदरी शिकायत हुई है। मामले में पीड़ितों का बयान लिया जाएगा। फिर धारा 420 के तहत जुर्म दर्ज किया जाएगा। फिलहाल मामले की डायरी एक सब इंस्पेक्टर को दिया है। वे जांच कर रहे हैं फिर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

- अशोक कुमार वैष्णव, टीआई चांपा

संपादकीय

युद्ध में हुए भीषण हमलों पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए

अभी युद्ध को लेकर जिस तरह की जिद देखी जा रही है, उससे किस तरह का समाधान निकाला जा सकता है। व्यापक पैमाने पर विनाश के बाद जब युद्ध थमेगा, तब किसी भी तरह के समाधान की कीमत क्या होगी?ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को अब एक महीना से ज्यादा हो चुका है, लेकिन अब भी तनाव और टकराव की आक्रामकता में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बीच-बीच में युद्ध विराम की बात उठती है और अगले ही दिन पहले से ज्यादा तीव्रता वाले हमलों के बीच गुम होकर रह जाती है। 8 अप्रैल को सीजफायर की घोषणा हुई थी पर हमले अभी भी जारी है। पिछले दिनों अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर हमला किया। इसके अलावा, ईरान के अल्बोर्ज प्रांत में हुए ताजा हवाई हमले में कम से कम अठारह लोगों की मौत हो गई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात आठ बजे तक होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह बहाल नहीं करता है, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की जाएगी।सवाल है कि क्या अमेरिका को इस बात की फिक्र है कि नागरिक ढांचों पर होने वाले हमलों को युद्ध अपराधों के दायरे में देखा जा सकता है। ईरान में हमले की वजह से एक स्कूल की कई बच्चियों की मौत को लेकर पहले ही अमेरिका-इजरायल के रवैये पर तीखे सवाल उठ चुके हैं। ऐसा लगता है कि इस युद्ध में हमले के ठिकाने चुनने के मसले पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए हैं।जहां इजराइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर मिसाइल की मार करने से लेकर बमबारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, वहीं ईरान ने भी इजराइल सहित मध्य-पूर्व के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला करने में कोई कमी नहीं की है। इससे इतर युद्ध की वजह से मध्य-पूर्व के समूचे प्रभावित इलाके में जिस पैमाने पर कच्चे तेल का उत्पादन और उसका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है, उसका असर समूची दुनिया पर किसी न किसी रूप में पड़ रहा है। बहुत सारे देशों में तेल, गैस और खाद की आपूर्ति बाधित हुई है।विडंबना यह है कि यह सब देखने-समझने के बावजूद युद्ध को खत्म करने या कम से कम कुछ दिनों के विराम की बात भी ठोस तरीके से सिरा नहीं पकड़ रही है। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति आए दिन ईरान में सब कुछ नष्ट कर देने की धमकी देते हैं, तो दूसरी ओर ईरान इसका जवाब देने की बात करता है।तनाव के स्वरूप का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ईरान ने पैंतालीस दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि वह युद्ध की स्थायी और पूर्ण समाप्ति तथा फिर से ईरान पर आक्रमण नहीं किए जाने की गारंटी चाहता है। एक तरह से ईरान की इस मांग को समझा जा सकता है कि कूटनीतिक प्रयासों की सार्थकता तभी है, जब किसी भी वार्ता के माध्यम से स्थायी समाधान तक पहुंचा जा सके।अगर हल निकालने के लिए चल रही बातचीत में कोई तात्कालिक आश्वासन दिया जाता है और उसमें विश्वसनीयता की कमी होगी, तो ऐसे प्रयास युद्ध के मूल कारणों को दूर करने में नाकाम रहेंगे। बल्कि इसके विपरीत नतीजे भी निकल सकते हैं। जाहिर है, कुछ समय के युद्धविराम की गुंजाइश निकालने के बजाय संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के उपायों पर पहुंचने के उद्देश्य से बिना देर किए शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

भरोसे की ताकत- सफलता में उलझी छोटी गलतियों को पकड़ता है हमारा मन

हमारा मस्तिष्क अचानक एक जासूस की भूमिका निभाते हुए पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण करने लगता है। वह बार-बार उसी एक पल पर अटक जाता है, जहां कुछ 'अधूरा' रह गया था- 'मैं उस समय क्यों हिचकिचाया? क्या मैं और बेहतर बोल सकता था?' भले ही हमारी सफलता सौ फीसद रही हो, लेकिन दिमाग न जाने क्यों उस एक फीसद की 'खामी' को ढूंढ़ निकालता है। यह स्थिति एक ऐसे मानसिक भ्रम की रचना करती है, जो हमारी पूरी सफलता की चमक को सोखने लगती है।

(अनंतपद्मनाभन)

मानव मन एक अद्भुत पहेली है, जो एक क्षण में ब्रह्मांड की सीमाओं को लांघ सकता है और दूसरे ही पल एक छोटी-सी आशंका के पिंजरे में कैद हो सकता है। हम कल्पना करें कि हमने अभी-अभी कोई महत्त्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया है। चारों ओर प्रशंसा के शब्द गूंज रहे हैं और हमें सम्मान मिल रहा है। सफलता के उस शिखर पर मन में केवल संतोष होना चाहिए, लेकिन जैसे ही शोर थमता है और हम खुद के साथ होते हैं, तो हमारा मन शांत होने के बजाय एक अजीब-सी उथल-पुथल में घिर जाता है।

हमारा मस्तिष्क अचानक एक जासूस की भूमिका निभाते हुए पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण करने लगता है। वह बार-बार उसी एक पल पर अटक जाता है, जहां कुछ 'अधूरा' रह गया था- 'मैं उस समय क्यों हिचकिचाया? क्या मैं और बेहतर बोल सकता था?' भले ही हमारी सफलता सौ फीसद रही हो, लेकिन दिमाग न जाने क्यों उस एक फीसद की 'खामी' को ढूंढ़ निकालता है। यह स्थिति एक ऐसे मानसिक भ्रम की रचना करती है, जो हमारी पूरी सफलता की चमक को सोखने लगती है।

दरअसल, बरसों से हमारे दिमाग को गलतियां ढूंढने और जोखिमों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जब हम दिन भर समस्याओं को सुलझाने और खुद को त्रुटिहीन बनाने की दौड़ में लगे रहते हैं, तो वही तेज दिमाग घर आने के बाद भी अपनी गति को नियंत्रित करना भूल जाता है। यह नकारात्मक चिंतन का एक चक्र है, जो हमारे निजी रिश्तों और खुशियों में दखल देने लगता है।

हमें लगता है कि हम 'सुधार' के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन वास्तव में यह मन को थकाने वाला एक व्यर्थ चक्र है। इतिहास गवाह है कि बड़े-बड़े विद्वानों का मन भी कभी-कभी उनका साथ छोड़ देता था। आधुनिक विज्ञान के आधार स्तंभ सर आइजैक न्यूटन अक्सर छोटी-छोटी आलोचनाओं पर हफ्तों तनाव में रहते थे। न्यूटन का मस्तिष्क ब्रह्मांड के रहस्यों को तो सुलझा लेता था, लेकिन स्वयं की शांति बनाए रखना उनके लिए चुनौती थी। वे अपनी खोजों को दुनिया के सामने रखने से इसलिए डरते थे कि कहीं कोई उनमें कोई कमी न निकाल दे।

इस तरह के उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि बुद्धि एक तेज औजार की तरह है। अगर इसे सही नियंत्रण के साथ नहीं संभाला गया, तो यह स्वयं को ही चोट पहुंचा सकती है। इसी तरह, महान सिविल इंजीनियर सर एम विश्वेश्वरैया की नजर इतनी पैनी थी कि वे चलती रेलगाड़ी में केवल कंपन महसूस करके पटरी की दरार भांप लेते थे। कार्य के प्रति यह सजगता अद्भुत थी, पर इसका अर्थ यह भी था कि उनका मन हमेशा एक 'सतर्क भाव' में रहता था।

आज सब एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं। हम अक्सर अपनी छोटी-छोटी खुशियों की अनदेखी कर देते हैं। पहले हमारी तुलना केवल करीबियों से होती थी, लेकिन आज हम अपनी तुलना पूरी दुनिया से कर रहे हैं। हम अपनी सफलताओं का जश्न मनाने के बजाय अपनी कमियों का शोक मनाने में अधिक समय बिताते हैं। आत्म-आलोचना तभी तक उपयोगी है, जब तक वह हमें आगे बढ़ने में मदद करे। जब यह आलोचना हमें मानसिक रूप से कमजोर बनाने लगे, तो इसे तुरंत रोकने का समय आ जाता है।

सच्ची आजादी इसी में है कि हम अपने मन को 'आलोचक' के बजाय एक 'दोस्त' की तरह इस्तेमाल करना सीखें। हमें अपनी समझ को रोकने की जरूरत नहीं है, बस इसे सही समय पर सही दिशा देना सीखना होगा। अगर हम किसी एक ही बात को बिना नतीजे के बार-बार सोच रहे हैं, तो यह विचार नहीं, बल्कि मन का भटकाव है। नकारात्मक विचारों को एक तटस्थ दर्शक की तरह देखना और खुद से पूछना चाहिए कि क्या उन आशंकाओं का वास्तव में कोई आधार है। जब मन जासूस बनने लगे, तो उसे याद दिलाने की जरूरत है कि हमें मिली सफलता में हमारी मेहनत का हाथ है।

यह समझना भी जरूरी है कि हमारी मानसिक ऊर्जा सीमित है। अगर हम इसे पुरानी बातों को कुरेदने में खर्च कर देंगे, तो भविष्य की नई संभावनाओं के लिए हमारे पास कुछ नहीं बचेगा। हर नया दिन एक नया अवसर होता है, और उसे कल की गलतियों की छाया में व्यर्थ करना बुद्धिमानी नहीं है। अपनी क्षमताओं को स्वीकार करना और अपनी सीमाओं के साथ शांति बनाना ही व्यक्तित्व विकास का असली आधार है। अक्सर हम दूसरों की नजरों में खुद को साबित करने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि दुनिया हमें वैसे ही देखेगी जैसे हम खुद को देखते हैं।

जीवन के इस सफर में स्वयं को माफ करना और अपनी उपलब्धियों का सम्मान करना सीखना चाहिए। प्रत्येक बाधा केवल एक नया सबक है, न कि हमारी योग्यता पर कोई स्थायी प्रश्नचिह्न। काम के बाद प्रकृति के करीब समय बिताना या शांत बैठना दिमाग को संदेश देता है कि अब विश्राम का समय है। खुद के प्रति उदार होना ही वह चाबी है जो हमें इस वैचारिक जेल से बाहर निकाल सकती है। हमने अपने जीवन में जो मुकाम हासिल किया है, उसे बनाने में सालों की मेहनत लगी है। उस मेहनत का मूल्य समझना चाहिए और अपनी उपलब्धियों को केवल धन-दौलत के तराजू में नहीं तौलना चाहिए।

हमारी बुद्धि एक वरदान है। इसे खुद को नुकसान पहुंचाने का हथियार नहीं बनने देना चाहिए। कमियां ढूंढ़ने वाले मन को यह सिखाना हमारी जिम्मेदारी है कि उसे कब शांत होना है। हमारी भावनाएं कोई 'गलतियां' नहीं हैं, वे हमारे जीवित होने का प्रमाण हैं। दुनिया की तमाम सफलता एक तरफ है, लेकिन हमारा आंतरिक सुकून ही हमारी सबसे असली पूंजी है। हमें व्यर्थ की चिंताओं को त्यागना चाहिए और अपनी मेहनत काबिलियत पर अडिग विश्वास बनाए रखना चाहिए।

दरअसल, बरसों से हमारे दिमाग को गलतियां ढूंढने और जोखिमों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जब हम दिन भर समस्याओं को सुलझाने और खुद को त्रुटिहीन बनाने की दौड़ में लगे रहते हैं, तो वही तेज दिमाग घर आने के बाद भी अपनी गति को नियंत्रित करना भूल जाता है। यह नकारात्मक चिंतन का एक चक्र है, जो हमारे निजी रिश्तों और खुशियों में दखल देने लगता है।

समानता आधारित सामाजिक परिवर्तन का दर्शन

अमित राय
सामाजिक शोध अध्येता

महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले (1827-1890) ऐसे पहले विचारक थे जो उन्नीसवीं सदी में बौद्धिक और सामाजिक जीवन में अस्पृश्यता के मुद्दे को सबसे पहले जोरदार तरीके से सामने लाये। उन्होंने समाज में व्याप्त पवित्रता और वर्ण व्यवस्था की धारणा के आधार पर भेदभावपूर्ण सामाजिक विभाजनों की निंदा की और इसे पूरी तरह से ब्राह्मणवादी शरारत और चालाकी का उत्पाद माना और बताया कि इन्होने ही निचले वर्गों अर्थात् शूद्रों और अतिशूद्रों का शोषण करने के लिए कुशलतापूर्वक योजना बनाई।

उन्होंने केवल सामाजिक विभेद की बात नहीं की बल्कि असमान सामाजिक संबंधों के लगभग पूरे दायरे में क्रांतिकारी परिवर्तन की वकालत की और एक नयी मानक व्यवस्था की नींव बनाने के लिए समानता, स्वतंत्रता, मानवतावाद और गरिमा के सिद्धांतों पर जोर दिया। समानता,सामाजिक परिवर्तन के फुले के दर्शन का आधार बनी। अस्पृश्यता के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता केवल उपदेश तक ही सीमित नहीं थी बल्कि उसे उन्होंने व्यवहारिक कार्यों में भी तब्दील किया,उन्होंने अछूत लड़कियों के लिए स्कूल खोला और अपने सार्वजनिक और निजी जीवन में अस्पृश्यता का खुला विरोध किया,ऐसा उन्होंने इतिहास के उस कालखंड में किया जब ब्राह्मणवादी कट्टरता की पहचान थी और जाति से जुड़े भेदभाव पूर्ण आचरण के लिए बहुत कम सहिष्णुता थी। संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था कठोर जाति प्रतिबंधों द्वारा शासित थी,जिसके उल्लंघन के लिए दंडात्मक प्रावधान थे। किसी व्यक्ति की स्थिति उसकी जाति पर निर्भर करती थी और यह उसके जीवन में उसकी योग्यता या उपलब्धियों से परे अपरिवर्तनीय थी। इस सामाजिक मैट्रिक्स को चुनौती देना बेहद मुश्किल हो सकता था; इसके लिए बहुत बड़ी कुर्बानियाँ देनी पड़ीं और उन्होंने अपने आजीवन मिशन को हासिल करने के लिए पूरा जीवन समर्पित किया। फुले भारतीय इतिहास में पहले व्यक्ति थे जिन्होंने ब्राह्मणवाद की विचारधारा (पौराणिक कथाओं और उस पर आधारित संपूर्ण सामाजिक संरचना की पवित्रता) को जड़ से खारिज कर दिया।

महत्वपूर्ण यह है कि फुले का ध्यान सामाजिक मुक्ति के लिए किसी खास जाति पर नहीं था। वह पूरे हाशिये पर पड़े इंसानों के लिए समानता, स्वतंत्रता और गरिमा के लिए खड़े थे, चाहे वे शूद्र, अतिशूद्र, आदिवासी, किसान, महिलाएं, मजदूर, कुष्ठ रोगी, मछुआरे, चरवाहे, भिखारी या ऐसे ही दूसरे लोग हों।

फुले के जीवनी लेखक के शब्दों में, 'यह वे (जोतिराव) ही थे जिन्होंने अछूत वर्गों के बीच से नेताओं का निर्माण किया। वे अछूतों के इलाकों में जाते थे और उनमें से ऊर्जावान और बुद्धिमान लोगों को समाज में सक्रिय होने, कुछ सामाजिक कार्य करने, लिखने और बोलने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उनके द्वारा चुने गए ऐसे लोगों में से एक गोपाल बाबा वलंगकर थे।' इसके अलावा, अछूतों, विशेषकर लड़कियों के लाभ के लिए फुले द्वारा की गई शैक्षिक पहल, पूरे उन्नीसवीं सदी के भारतीय बौद्धिक इतिहास में अभूतपूर्व थी।

फुले के विचार,उन्नीसवीं सदी के महाराष्ट्र में मुख्यधारा के सामाजिक सुधार आंदोलन से एक क्रांतिकारी प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करते थे।

भूटान के राजा 'सकल घरेलू उत्पाद से नहीं

सकल राष्ट्रीय खुशी के सूचकांक से देश चलाते हैं'

जिन लोगों के रिश्ते सबसे खुशहाल और गर्मजोशी भरे थे, वे ही लोग सबसे लंबे समय तक स्वस्थ रहे और सबसे ज्यादा जिए। हमारी लगभग पचास फीसद खुशी एक तरह का जैविक तौर पर निर्धारित बिंदु है, जो शायद हमारी कोशिकाओं द्वारा तय होता है। इसका संबंध जन्मजात स्वभाव से है। हम ऐसे कई लोगों को जानते हैं जो स्वाभाविक रूप से उदास रहते हैं और दूसरे लोग जो स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज होते हैं, चाहे कुछ भी हो रहा हो। यानी हमारी लगभग आधी खुशी वह जन्मजात स्वभाव है। लगभग दस फीसद हमारी मौजूदा जिंदगी की परिस्थितियों पर आधारित है। आखिरी चालीस फीसद हमारे

(मनीष कुमार चौधरी)

अगर हम आज कोई एक ऐसा चुनाव कर सकें, जिससे यह पक्का हो जाए कि हम अपनी पूरी जिंदगी खुश और स्वस्थ रहेंगे, तो हम किसका चयन करेंगे? हममें से ज्यादातर लोग सोचते हैं कि इसका कुछ लेना-देना अमीर बनने या बहुत कुछ हासिल करने से है, लेकिन हावर्ड अध्ययन के शोध बताते हैं कि दूसरे लोगों के साथ अपने रिश्तों में निवेश करना हमारी खुशी का सबसे बड़ा कारण बनता है।

जिन लोगों के रिश्ते सबसे खुशहाल और गर्मजोशी भरे थे, वे ही लोग सबसे लंबे समय तक स्वस्थ रहे और सबसे ज्यादा जिए। हमारी लगभग पचास फीसद खुशी एक तरह का जैविक तौर पर निर्धारित बिंदु है, जो शायद हमारी कोशिकाओं द्वारा तय होता है। इसका संबंध जन्मजात स्वभाव से है। हम ऐसे कई लोगों को जानते हैं जो स्वाभाविक रूप से उदास रहते हैं और दूसरे लोग जो स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज होते हैं, चाहे कुछ भी हो रहा हो। यानी हमारी लगभग आधी खुशी वह जन्मजात स्वभाव है। लगभग दस फीसद हमारी मौजूदा जिंदगी की परिस्थितियों पर आधारित है। आखिरी चालीस फीसद हमारे नियंत्रण में है।

लोगों द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी गलतियों में से एक खुशी और खुशी की भावनाओं को भ्रमित करना है। खुशी कोई भावना नहीं है। भावनाएं खुशी का सबूत हैं। भावना बाहरी दुनिया के बारे में जानकारी से ज्यादा कुछ नहीं है। जो लोग सेहतमंद और खुश होते हैं, उनके जीवन में तीन तत्त्व समान हैं - आनंद, संतुष्टि और अर्थ।

आनंद एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में लोग कम समझते हैं

आनंद एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में लोगों को लगता है कि वे इसे समझते हैं, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं होता। यह ऐसा कुछ नहीं है, जो वास्तव में खुशी की ओर ले जाता है। आनंद उससे कहीं अधिक जटिल है। खुशी का दूसरा सूक्ष्म तत्त्व संतुष्टि है। संतुष्टि एक वास्तविक रहस्य है, क्योंकि यह वह खुशी है जो हमें किसी चीज के लिए संघर्ष करने के बाद मिलती है। अगर हम पर्याप्त संघर्ष नहीं करते, तो यह मीठा नहीं होता।

अंतिम, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात है - अर्थ। क्या हम उन चीजों को करने के लिए पैसा खर्च करते हैं, जो हम सचमुच करना चाहते हैं? समय और पैसा आमतौर पर साथ-साथ चलते हैं, लेकिन अच्छे तरीके से नहीं। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि लोग जितना ज्यादा पैसा कमाते हैं, उन्हें लगता है कि उनके पास उतना ही कम समय है।

शोध बताते हैं कि आय आमतौर पर खुशी बढ़ाती है, लेकिन ज्यादा आय के स्तर पर इसका प्रभाव कम हो जाता है, साथ ही वित्तीय सफलता पर ध्यान केंद्रित करने से जीवन की संतुष्टि कम हो सकती है। पैसा तनाव कम करता है

और सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन एक बार जब हम आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करते हैं, तो इसका प्रभाव कम हो जाता है। यह हमें सदियों पुराने सवाल पर लाता है कि क्या पैसा खुशी खरीद सकता है!

दरअसल, यह तभी हो सकता है, जब हम थोड़े पैसे से थोड़ा समय खरीद सकें। सरल शब्दों में, चाहे हम कितना भी कमाएं, चाहे हम कितने भी अमीर हों, थोड़ा समय खरीदना हमको ज्यादा खुश करता है। समय खरीदने की कुंजी यह है कि हम सोच-समझ कर तय करें कि हम अपने पैसे से जो समय बचाएंगे, उसका इस्तेमाल कैसे करेंगे।

समय खरीदना हमें तभी ज्यादा खुश करेगा, जब यह जानबूझ कर और उद्देश्यपूर्ण लगे। इसलिए नहीं कि हमारे पास समय नहीं है, बल्कि इसलिए कि हम अपने पास मौजूद समय का अलग तरह से इस्तेमाल करना चाहते हैं। एक बार किसी पत्रकार ने भूटान के राजा रहे जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से पूछा कि आपके देश का सकल घरेलू उत्पाद इतना कम क्यों है। इस पर वांगचुक का जवाब था, 'हम सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, सकल राष्ट्रीय खुशी यानी जीएनएच (ग्रास नेशनल हैप्पीनेस) के सूचकांक से देश चलाते हैं।'

अक्सर यह माना जाता है कि आय, धन और जीवन संतुष्टि के बीच संबंध है। यानी किसी के पास जितना अधिक पैसा होता है, वह उतना ही अधिक संतुष्ट होता है। पर यह पूरा सत्य नहीं है। एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने गरीब, छोटे पैमाने के समाजों में रहने वाले तीन हजार लोगों से उनके जीवन की संतुष्टि के बारे में सर्वेक्षण किया। परिणामों से पता चला कि इन लोगों की जीवन संतुष्टि सबसे धनी देशों में रहने वाले लोगों के बराबर है।

एक संभावित कारण यह है कि सामाजिक मेलजोल और प्रकृति का अनुभव जैसी साधारण खुशियां छोटे पैमाने के समुदायों में जीवन की संतुष्टि को बढ़ाने में एक बड़ी भूमिका निभाती हैं। इनमें से कई समाजों में भारी मुद्रीकरण नहीं होता है। सोलोमन द्वीप के रोविआना और गीजो क्षेत्रों में रहने वाले मेलानेशियन लोग दुनिया के सबसे गरीब लोगों में से कुछ हैं। वे मछली पकड़ने और खेती से अपनी जरूरतें पूरी करते हुए जीवन का निर्वाह करते हैं।

मगर वे इस भौतिक रूप से सरल अस्तित्व के बावजूद, मेलानेशियन फिनलैंड और डेनमार्क के निवासियों की तुलना में अधिक जीवन संतुष्टि व्यक्त करते हैं, जो नियमित रूप से दुनिया में सबसे खुशहाल लोगों के रूप में सुर्खियां बटोरते हैं। सच यह है कि खुश रहना इस बात पर निर्भर करता है कि अगर हम सुविधाओं और संसाधनों के बीच जीवन जीते हैं, तो क्या उन्हीं सुविधाओं के बीच जीवन-तत्त्व के लिए अनिवार्य कारकों को भूल जाते हैं या उन्हें याद रखते हैं। इस मामूली लगने वाली बात की अहमियत को नजरअंदाज करना निस्संदेह हमें सुविधाओं के बीच वास्तविक खुशी से दूर कर सकता है।

सपनों को मिली नई उड़ान: पीएम श्री स्कूल के छात्रों ने जाना कैसे नियंत्रित होते हैं आसमान में उड़ते विमान, शिक्षा और तकनीक का संगम

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-उत्तर बस्तर कांकेर के स्कूली विद्यार्थियों के लिए आज का दिन सपनों को नई उड़ान देने वाला रहा। मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन, विकासशील जी के निर्देशानुसार एवं जिला कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में शासकीय पीएम श्री विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष 'शैक्षणिक भ्रमण' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत नरहरपुर और नरहरदेव (कांकेर) के छात्र-छात्राओं ने जगदलपुर एयरपोर्ट का सफलतापूर्वक भ्रमण किया। भ्रमण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिला कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ बाहरी दुनिया और तकनीकी क्षेत्रों से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना अनिवार्य है। जिला प्रशासन का निरंतर प्रयास है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक शिक्षा मिले ताकि वे अपने भविष्य के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बन सकें। इसी क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) हरेश मडावी ने भी इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक व्यवस्थाओं और तकनीकी पहलुओं को समझने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित होंगे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने एयरपोर्ट की बारीकियों को जाना। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बच्चों को बेहद सरल और रोचक तरीके से निम्नलिखित विद्यार्थियों ने न केवल इन प्रक्रियाओं को देखा, बल्कि अधिकारियों से कई सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। पुलिस लाइन से आए बच्चों की सहभागिता ने इस कार्यक्रम को और भी समावेशी बना दिया।शिक्षकों और शिक्षा विभाग का सहयोग :भ्रमण के दौरान विद्यालय के शिक्षकगण एवं स्टाफ पूरे समय मौजूद रहे। जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्र), उत्तर बस्तर कांकेर ने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के ज्ञान में अभूतपूर्व वृद्धि होती है और उन्हें वास्तविक जीवन के अनुभव प्राप्त होते हैं जो भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे।

पत्थलगांव शिक्षा विभाग में 'पारदर्शिता' का गला घोंट रहे जिम्मेदार; RTI के तहत हिसाब मांगने पर उड़े होश!

पत्थलगांव/मूक पत्रिका

एक ओर सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जशपुर के शिक्षा विभाग में जानकारी दबाने का बड़ा खेल चल रहा है। पत्थलगांव स्थित एक शासकीय विद्यालय के जन सूचना अधिकारी (प्राचार्य) द्वारा सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी को समय पर न देना अब उनके लिए बड़ी मुसीबत बनने वाला है। 6 साल का हिसाब देने में क्यों कांप रहे हाथ? ङ्क सूत्रों के अनुसार, आवेदक द्वारा वर्ष 2018 से लेकर अब तक विद्यालय को प्राप्त शासन की राशि, विकास निधि और जनभागीदारी मद में हुए खर्चों का पूरा ब्यौरा मांगा गया था। इसमें 5000 रुपये से अधिक की खरीदी के बिल, कोटेशन, तुलनात्मक पत्रक और ऑडिट रिपोर्ट जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल थीं। महीनों बीत जाने के बाद भी जानकारी न देना यह साफ इशारा करता है कि पर्दे के पीछे बहुत कुछ छिपाने की कोशिश की जा रही है।

ष्ठश्वह्र की सख्त चेतावनी : 3 दिन में दें जानकारी, वरनाज मामला जब प्रथम अपीलीय अधिकारी यानी जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्र) के पास पहुँचा, तो विभाग की साख बचाने के लिए आनन-फानन में कड़ा आदेश जारी किया गया। ष्ठश्वह्र ने पत्र क्रमांक 135/2026-27 के माध्यम से प्राचार्य को निर्देशित किया है कि :

कानून का उल्लंघन : अब क्चहृस् की धाराओं में फँसेंगे अधिकारी! ङ्क?आवेदक ने प्रशासन को दोटूक चेतावनी दी है कि वे विभाग के चक्कर नहीं काटेंगे। ऋञ्जढ्ढ अधिनियम की धारा 7(1) के उल्लंघन पर दोषी अधिकारी के विरुद्ध न केवल विभागीय कार्रवाई, बल्कि भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) की धारा 198 और 240 के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की गई है।

अगली सुनवाई पर टिकी नजरें : आगामी 17 अप्रैल 2026 को होने वाली सुनवाई शिक्षा विभाग के लिए 'अग्निपरीक्षा' साबित होगी। यदि तय समय में जानकारी नहीं मिली, तो अधिकारियों पर भारी जुर्माना और अनुशासनात्मक गाज गिरना तय माना जा रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व और नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए किया गया जागरूक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान राज्य शासन एवं जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर निराला के मार्गदर्शन एवं विकास खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ शशि जायसवाल के नेतृत्व में संचालित किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराए गए और उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकलिन, मलेरिया, एच.आई.वी., वजन और ऊँचाई जैसी आवश्यक जांचें की गई। महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियों का वितरण किया गया। इसके अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को शरीर की स्वच्छता, पोषण और सुरक्षित प्रसव के महत्व पर विशेष परामर्श दिया गया। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी कराई गई। शिविर में गर्भवती महिलाओं को लेबर रूम और ऑपरेशन थिएटर का दौरा कराते हुए उन्हें मानसिक रूप से सुरक्षित प्रसव के लिए तैयार किया गया, जिससे प्रसव के दौरान होने वाले तनाव को कम किया जा सके। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले भर में प्रतिमाह 09 एवं 24 तारीख को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। प्रशासन ने महिलाओं को किसी भी समस्या के लिए तुरंत स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करने और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने का संदेश दिया। जिला प्रशासन ने इस अवसर पर सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का लाभ अवश्य उठाएँ और अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच कराएँ। स्वास्थ्यकर्मियों के मार्गदर्शन में नजदीकी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व और नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए किया गया जागरूक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ मूक पत्रिका

सारंगढ बिलाईगढ़ जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान राज्य शासन एवं जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर निराला के मार्गदर्शन एवं विकास खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ शशि जायसवाल के नेतृत्व में संचालित किया गया।इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराए गए और उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकलिन, मलेरिया, एच.आई.वी., वजन और ऊँचाई जैसी आवश्यक जांचें की गई। महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियों का वितरण किया गया। इसके अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को शरीर की स्वच्छता, पोषण और सुरक्षित प्रसव के महत्व पर विशेष परामर्श दिया गया। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी कराई गई। शिविर में गर्भवती महिलाओं को लेबर रूम और ऑपरेशन थिएटर का दौरा कराते हुए उन्हें मानसिक रूप से सुरक्षित प्रसव के लिए तैयार किया गया, जिससे प्रसव के दौरान होने वाले तनाव को कम किया जा सके। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले भर में प्रतिमाह 09 एवं 24 तारीख को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। प्रशासन ने महिलाओं को किसी भी समस्या के लिए तुरंत स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करने और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने का संदेश दिया। जिला प्रशासन ने इस अवसर पर सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का लाभ अवश्य उठाएँ और अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच कराएँ। स्वास्थ्यकर्मियों के मार्गदर्शन में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर अपने और अपने बच्चे के पोषण पर ध्यान दें।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का महाअभियान, गाँवों में पहुँच रही मोबाइल एक्स-रे और निःशुल्क आयुष्मान कार्ड पंजीयन की सुविधा

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

जिले को पूर्णतः स्वस्थ और क्षय (ञ्जक्च) मुक्त बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने एक वृहत एकीकृत पहल शुरू की है। कलेक्टर संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूह्र) डॉ. एफ आर. निराला के मार्गदर्शन में जिले में '100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान' (द्वितीय चरण) के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड पंजीयन और हृष्ठ (गैर-संचारी रोग) जांच का विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। ज्ञात हो जी जिले में विगत वर्ष लक्ष्य के विरुद्ध 700 से अधिक मरीजो की पुष्टि की गई है।इसको ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक निः शुल्क बलगम जांच कराने की अपील की गई है।?इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ग्रामीणों को अब जांच के लिए शहर की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है। आधुनिक 'हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन' के माध्यम से सीधे ग्राम स्तर पर आयोजित 'आयुष्मान आरोग्य शिविरों' में निःशुल्क एक्स-रे की सुविधा दी जा रही है।?एक ही छत के नीचे मिल रही हैं ये सेवाएं:? टीबी स्क्रीनिंग और जांचः मितानिनों द्वारा घर-घर पहचान के बाद संभावित मरीजों का मौके पर ही एक्स-रे और बलगम जांच की जा रही है। वृहद आयुष्मान कार्ड पंजीयनः शिविरों में उन पात्र हितग्राहियों का प्राथमिकता से कार्ड बनाया जा रहा है, जिनका अब तक पंजीयन नहीं हो पाया है। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों की टीम तैनात की गई है। हृष्ठ (गैर-संचारी रोग) जांचः 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों की बीपी (रक्तचाप) और शुगर (मधुमेह) की अनिवार्य जांच की जा रही है, ताकि कैंसर, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसे खतरों को समय रहते टाला जा सके।निक्षय पोषण सहायताः चिन्हित टीबी मरीजों को निक्षय मित्रों के माध्यम से पोषण आहार किट प्रदान की जा रही है।?जोखिम समूहों पर विशेष फोकस?अभियान के दौरान 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, कुपोषित बच्चों, मधुमेह रोगियों और खदानों या फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिकों की सघन स्क्रीनिंग की जा रही है। 'निक्षय वाहन' और जागरूकता रथ के माध्यम से लगातार माइकिंग कर ग्रामीणों को शिविर स्थल तक लाया जा रहा है। अधिकारियों की अपील-ष्टरूह्र डॉ. एफ आर. निराला ने बताया कि हमारा लक्ष्य जिले के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना है। उन्होंने कहाः÷आयुष्मान आरोग्य शिविरों में केवल टीबी की जांच ही नहीं, बल्कि आयुष्मान कार्ड निर्माण और हृष्ठ स्क्रीनिंग जैसी अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं एक साथ दी जा रही हैं। नागरिक इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें।÷?यह महाअभियान आगामी दिनों तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ जनप्रतिनिधि और स्वयंसेवी संस्थाएं सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

बरपाली में किया गया क्लस्टर राजस्व शिविर का आयोजन] शिविर में तत्काल 4 आवेदन निराकृत, 38 किसानों को मिला दस्तावेज

सारंगढ़ बिलाईगढ़/ मूक पत्रिका

राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से सरिया तहसील के ग्राम पंचायत बरपाली में क्लस्टर राजस्व शिविर का आयोजन किया गया, 22 आवेदन प्राप्त हुए, मौके पर ही 4 आवेदन का निराकरण किया गया तथा 18 प्रक्रिया में है। शिविर स्थल में नामांतरण फौती 12, बटवारा 1, किसान किताब 8, धारा 115 में 15, सीमांकन 2 कुल 38 प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। एसडीएम बंसल ने किसानों एवं ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिविरों का संचालन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं परिणाममुखी होना चाहिए, ताकि आमजन को वास्तविक लाभ मिल सके। इस शिविर में अविवादित आय जाति निवास,नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बटांकन एवं व्यपवर्तन जैसे लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ शत-प्रतिशत निराकरण के साथ ही फौती नामांतरण, बंटवारा एवं अभिलेख त्रुटि सुधार से संबंधित आवेदनों का शिविर स्थल पर ही ऑनलाइन पंजीयन, सुनवाई एवं निराकरण पर जोर दिया। शिविर में तहसीलदार पुष्पेंद्र कुमार राज, कोमल साहू सहित राजस्व पटवारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान उपस्थित थे। इन शिविरों के माध्यम से किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

रायगढ़ में बढ़ रहा डॉग बाइट का खतरा, दो साल में 4,800 से ज्यादा मामले महीने में तीन सौ

रायगढ़ में बढ़ रहा डॉग बाइट का खतरा

रोज 10 से अधिक लोग हो रहे शिकार, निगम के इंतजाम नाकाफी, बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं को अधिक होता है खतरा

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता नजर आ रहा है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग लगातार इनके शिकार बन रहे हैं। जिला अस्पताल के आंकड़े बताते हैं कि शहर में डॉग बाइट की घटनाएं चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी हैं। बीते दो वर्षों में 4 हजार 800 से अधिक लोग कुत्तों के काटने का शिकार हुए हैं।

बीते मार्च माह में भी 300 सौ से अधिक घटनाएं सामने आने की जानकारी सामने आई है।इस हिसाब से रोजाना औसतन 10 से अधिक लोग डॉग बाइट का शिकार हो रहे हैं।

गौरतलब हो कि किरोड़ीमल शासकीय जिला अस्पताल से मिले आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में कुल 2408 डॉग बाइट के मामले दर्ज किए गए। इनमें 1524 मामले आवारा कुत्तों के काटने के थे, जबकि 884 मामले पालतू कुत्तों से जुड़े थे। वर्ष के अंत में दिसंबर माह में सबसे ज्यादा 310 मामले सामने आए, जो पूरे साल का सर्वाधिक आंकड़ा रहा।वहीं वर्ष 2025 में नवंबर तक 2396 डॉग बाइट के मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें 1413 मामले आवारा कुत्तों के काटने के हैं, जबकि 983 मामले पालतू कुत्तों से जुड़े हैं।

नवंबर 2025 में 245 मामले सामने आए, जो इस वर्ष के प्रमुख आंकड़ों में शामिल हैं।यदि बीते वर्ष के आंकड़ों पर गौर करे तो जनवरी में 272, फरवरी में 227, मार्च में 267, अप्रैल में 190, मई में 209, जून में 207, जुलाई में 242, अगस्त में 168, सितंबर में 165, अक्टूबर में 204 और नवंबर में 245 डॉग बाइट के मामले दर्ज किए गए। आंकड़े यह संकेत देते हैं कि शहर में कुत्तों के काटने की समस्या लगातार बनी हुई है।

निगम के इंतजाम नाकाफी- नगर निगम द्वारा शहर में आवारा कुत्तों की धरपकड़ कर उनका बधियाकरण कराने का अभियान चलाया जा रहा है। निगम का दावा है कि इस अभियान के जरिए कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।ि

जसके तहत 5 सौ से अधिक आवारा कुत्तों की बधियाकरण कराए जाने की बात बताई जा रही है। हालांकि अस्पताल के आंकड़े बताते हैं कि डॉग बाइट के मामलों में कोई कमी नहीं आई है।लगातार सामने आ रहे मामलों ने निगम की बधियाकरण योजना की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बच्चों और बुजुर्गों को अधिक खतरा- शहर में बढ़ते आवारा कुत्तों के कारण सबसे ज्यादा खतरा बच्चों और बुजुर्गों को झेलना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कई मोहल्लों और कॉलोनियों में कुत्तों के झुंड खुलेआम घूमते नजर आते हैं। सुबह-शाम के समय जब बच्चे स्कूल जाने या खेलने के लिए निकलते हैं और बुजुर्ग टहलने जाते हैं, तब उनके सामने अचानक कुत्तों के झुंड आ जाने से डर और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई मामलों में कुत्तों द्वारा दौड़ाने या काटने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है।

क्या कहते है =डॉक्टर दिनेश पटेल सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय- जिला चिकित्सालय में एंटी रेबीज न होने की स्थिति में मरीज को बाहर से दवा मंगाकर उपबंध कराई जाती है।

बहरहाल चिकित्सकीय में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।शहर में डॉग बाइट के आंकड़े चिंताजनक है।हर माह लगभग 300 मामले सामने आ रहे है।

महतारी वंदना योजना में ई-केवाईसी के नाम पर खुली लूट, जिम्मेदार अधिकारी मौन

सारंगढ़ / मूक पत्रिका

सारंगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महतारी वंदना योजना को पूरे प्रदेश में सफल बनाने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में महिलाओं का समय-समय पर ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया गया है, जिसे सरकार द्वारा पूरी तरह निःशुल्क बताया गया है।लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में इस योजना का लाभ लगभग 2 लाख 55 हजार महिलाओं को मिल रहा है, वहीं बड़ी संख्या में महिलाएं अब भी योजना से वंचित हैं और नाम जुड़वाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गोपाल बाघे ने आरोप लगाया है कि ई-केवाईसी के नाम पर च्वाइस सेंटरों में प्रत्येक महिला से 50 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर इस प्रक्रिया को निःशुल्क बताती है, वहीं दूसरी ओर गरीब महिलाओं से पैसे लिए जा रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है।यदि जिले की सभी हितग्राही महिलाओं से यह राशि ली जा रही है, तो अनुमानतः करीब 1 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की खुली वसूली हो रही है।सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारी मौन बने हुए हैं और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।गोपाल बाघे ने मांग की है कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के निगरानी में शिविर लगाकर निःशुल्क ई-केवाईसी की व्यवस्था की जाए, ताकि महिलाओं को परेशानी न हो और वे अवैध वसूली का शिकार न बनें।

साथ ही प्रशासन से इस मामले की तत्काल जांच कर दोषी च्वाइस सेंटर संचालकों व संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है, ताकि योजना का लाभ बिना किसी शोषण के महिलाओं तक पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती आवेदन 23 अप्रैल तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर अंतर्गत शहर के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 20 कुदुदंड माताचौरा के पास, 223 फेकट पारा कतियापारा, 111 निराला नगर कतियापारा एवं 124 लोधीपारा नाकापारा में सहायिका के 1-1 रिक्त पदों पर 23 अप्रैल तक वेबसाईट httpsÑ//aww.e-bharti.in/login में जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने स्क्रैप निपटान में 303.47 करोड़ का राजस्व अर्जन कर रचा कीर्तिमान!

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में मिशन जीरो स्क्रैप के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए स्क्रैप के निपटान से ?303.74 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि रेलवे के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी स्क्रैप बिक्री है। उल्लेखनीय है कि यह आय रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित ?270 करोड़ के वार्षिक लक्ष्य से 12.4त्न अधिक है, जो संगठन की कुशल कार्यप्रणाली, प्रभावी योजना एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को दर्शाता है। यह सफलता विभिन्न कार्य स्थलों एवं ट्रैक किनारे पड़े स्क्रैप की सुनियोजित पहचान, उसके व्यवस्थित एकत्रीकरण तथा ई-नीलामी के माध्यम से प्राप्त की गई है। इस पहल से न केवल राजस्व में वृद्धि हुई है, बल्कि रेलवे परिसरों की स्वच्छता एवं सुव्यवस्था में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्क्रैप बिक्री के मद-वार विवरण में रेल से ?114.96 करोड़, पी.वे. आइटम से ?16.53 करोड़, रोलिंग स्टॉक्स से ?32.53 करोड़, नॉन-फेरस सामग्री से ?25.63 करोड़, पीएससी स्लीपर से ?8.39 करोड़ तथा अन्य मदों से ?105.43 करोड़ की आय अर्जित की गई है। इसके साथ ही, भारत सरकार की नीतियों के अनुरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (त्रद्गरू) के माध्यम से खरीद में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में त्रद्गरू के माध्यम से ?397.83 करोड़ की खरीद की गई, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में 37.80त्न अधिक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह उपलब्धि केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संगठन की दूरदर्शिता, पारदर्शिता, संसाधनों के कुशल प्रबंधन एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। यह सफलता भविष्य में और भी उच्च मानदंड स्थापित करने के लिए प्रेरणा प्रदान करती है।

जुठही अंडरब्रिज में सड़क मरम्मत कार्य कार्य प्रगति पर

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत जयरामनगर स्टेशन-लटिया केबिन के मध्य किमी. 696/17-19 पर स्थित रुास् नं-356 (जुठही अंडरब्रिज) पर सड़क आवागमन को और अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से अति आवश्यक सड़क मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य के फ्लस्वरूप इस अंडरब्रिज को दिनांक 25 मार्च 2026 से 13 अप्रैल 2026 तक तक सड़क यातायात के लिए पूर्णतः बंद रखा गया है। परंतु कार्य के दौरान कुछ अतिरिक्त तकनीकी कार्य जुड़ जाने के फ्लस्वरूप अब इस समपार को सड़क यातायात हेतु दिनांक 20 अप्रैल 2026 तक पूर्णतः बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इस अवधि में सड़क यातायात हेतु वैकल्पिक मार्ग के रूप में पाराघाट अंडरब्रिज (रुास्-359) एवं समपार संख्या 355 (कल्याणपुर फाटक) का उपयोग किया जा सकता है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

कायाघाट मुक्तिधाम परिसर में गंदगी का अंबार, सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल, नियमित सफाई के अभाव से बिगड़े हालात

मूक पत्रिका/रायगढ़= शहर में लोग जीते-जी गंदगी की समस्या से जूझ ही रहे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अंतिम पड़ाव पर भी इससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। ऐसा ही मामला जूटमिल कायाघाट स्थित मुक्तिधाम में देखने को मिल रहा है, जहां परिसर में फैली गंदगी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

गौरतलब हों कि शहर के जूटमिल कायाघाट स्थित मुक्तिधाम में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। यहां परिसर के भीतर ही कचरे का ढेर लगा हुआ है, जिससे न केवल आसपास बदबू फैल रही है बल्कि आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुक्तिधाम जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह की लापरवाही नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।मुक्तिधाम परिसर में जगह-जगह प्लास्टिक की बोतलें, कागज, सूखी लकड़ियां, कपड़े और अन्य कचरा बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। कई स्थानों पर कचरे का ढेर लगने से परिसर की साफसफाई पूरी

तरह प्रभावित हो रहा है। यहां अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिजनों और नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। मुक्तिधाम परिसर में फैली गंदगी से स्वच्छता अभियान की भी पोल खुलती नजर आ रही है। शहर को स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम की ओर से लगातार अभियान चलाए जाने के दावे किए जा रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है।

नियमित सफाई का अभाव- स्थानीय लोगों का कहना है कि मुक्तिधाम में नियमित सफाई नहीं होने के कारण धीरे-धीरे यहां कचरा जमा होता जा रहा है। समय-समय पर सफाई और कचरा उठाव नहीं होने से यह समस्या गंभीर होती जा रही है। लोगों ने बताया कि मुक्तिधाम जैसे स्थान पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। हालांकि कुछ वर्षों पूर्व तक इसकी सफाई व्यवस्था का ख्याल तो रखा गया।परन्तु समय के साथ इसकी प्राथमिकता में कमी आ गई।

राजस्व पखवाड़ा शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण,ग्रामीणों की समस्याएं मौके पर सुनीं..

बिलासपुर। जिले में चल रहे राजस्व पखवाड़ा के तहत कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ग्राम गनियारी में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने मौके पर समस्याएं सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए और अधिकारियों को सक्रियता बढ़ाने को कहा। जिले में संचालित राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ग्राम गनियारी (उप तहसील गनियारी) में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से राजस्व से जुड़े विभिन्न प्रकरणों के शीघ्र समाधान पर जोर दिया। साथ ही जल संचयन एवं संरक्षण के महत्व को बताते हुए

ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने गांव को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए भी आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। शिविर में राशन कार्ड प्रतिवेदन, फौती नामांतरण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र, तथा नाम त्रुटि सुधार से संबंधित आवेदनों पर कार्यवाही की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने भरनी-परसदा में आयोजित राजस्व पखवाड़ा शिविर का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही सरपंच, जनप्रतिनिधि, किसान और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं भी शिविर में शामिल हुईं।

सफलता की कहानी खीरा की खेती से बदली सुभद्रा की जिंदगी

बिलासपुर। कोटा के ग्राम करका की सुभद्रा ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन, समूह की शक्ति और मेहनत साथ हो, तो आर्थिक आत्मनिर्भरता का सपना आसानी से साकार किया जा सकता है। सुभद्रा समूह से जुड़कर खीरा की खेती कर आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ अब लखपति दीदी बन चुकी है ,सुभद्रा मुख्यमन्त्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकारी योजना ने उनका जीवन बदल दिया है। आदिवासी बहुल गांव करका की सुभद्रा आर्मी ने आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत मां सरस्वती समूह से जुड़कर खीरा की खेती को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया। शुरुआत में समूह को 15,000 रुपये ऋ्न, 60,000 रुपये ष्टढ्ढस्न तथा 3,00,000 रुपये बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक

सहयोग ने महिलाओं को खेती के लिए जरूरी संसाधन जुटाने में बड़ी मदद दी। समूह की महिलाओं ने मेहनत, लगन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए खीरा की खेती शुरू की। उनकी मेहनत का परिणाम यह है कि आज वे 2 एकड़ में खेती कर लगभग 10 क्विंटल खीरा की बिक्री हर दूसरे दिन कर रही हैं। इससे उन्हें लगभग 7,000 रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इस अतिरिक्त आय से समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं, बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दे रही हैं और भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। सुभद्रा बताती हैं कि इस सफ्लता के पीछे समूह की बीमा सखी हबीबुन निशा का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन रहा, जिन्होंने समय-समय पर महिलाओं को बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता प्रदान कर ऋण सबंधी प्रक्रिया को पूरा करने में सहायता की साथ ही खेती की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कलर्स कलाकारों ने बैसाखी के अवसर पर गर्मजोशी, यादों और एकजुटता का उत्सव मनाया

कलर्स के लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट से करण कुंद्रा ने कहा,मेरे लिए बैसाखी हमेशा पंजाब में बिताए बचपन की यादें ताज़ा कर देती है—परिवार के साथ रहना, अच्छा खाना खाना और मिलकर संगीत का मज़ालेना। यह नएपन की भावना का प्रतीक है; यह समय है मौकों को पकड़नेऔर मेहनत के फ्ल का जश्न मनाने का। इस साल लाफ्टर शेफ़्स के सेट पर बैसाखी मनाना बेहद मज़ेदार रहा। ढोलक की थाप ने शुरुआत की औरपंजाबी बोलियाँ एक-दूसरे को मज़ाक में छेड़ने का ज़रिया बनीं। किचन मेंअपनी पहचान वाली हलचल थी, जब हम सबने गुड़ पारे को पतंग की शक्लदेने की कोशिश की। ऐसा लगा जैसे पंजाब का एक टुकड़ा सेट पर उतरआया हो। सबको अच्छे स्वास्थ्य, सफ्लता और खुशियों की शुभकामनाएँ; हर घर प्यार से भरा रहे और हर रसोई में फ्सल का स्वाद बना रहे। बैसाखीदी लाख-लाख बधाइयाँ! कलर्स के तू जूलियट जट्ट दी से जसमीत कौर ने कहा, पंजाबी परिवार सेहोने के नाते हमारे यहाँ कोई भी त्योहार 'लो-की' नहीं होता, सब दिल से औरपूरी ऊर्जा के साथ मनाया जाता है। इस बार की बैसाखी मेरे लिए और भीखास है क्योंकि मैं इसे सेट पर सबके साथ मना रही हूँ। और चंडीगढ़ मेंशूटिंग होने की वजह से ऐसा लगता है जैसे मैं घर के ही पास हूँ।

Ai+ Smartphone नोवा 2 की बिक्री 14 अप्रैल से फ्लिपकार्ट पर शुरू

Ai+ Smartphone ने अपनी नई नोवा Series के अंतर्गत अपने नवीनतम डिवाइस नोवा 2 की बिक्री शुरू करने की घोषणा की है। रोजमर्रा की भरोसेमंद उपयोगिता और आकर्षक व्यक्तिगत शैली को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया नोवा 2, 14 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से विशेष रूप से फ्लिपकार्ट और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा।

Ai+ नोवा 2 की कीमत इस प्रकार है: 4GB + 64GB | 8,999, 6GB + 128GB | 10,999

माधव शेठ, सी.ई.ओ, Ai+ स्मार्टफोन और संस्थापक, NxtQuantum शिफ्ट टेक्नोलॉजीज़ ने कहा, नोवा सीरीज हमारे लिए अब तक का सबसे सशक्त प्रदर्शन है, जो दर्शाता है कि Ai+ क्या प्रतिनिधित्व करता है — ऐसी तकनीक जो सुलभ, भरोसेमंद और रोजमर्रा के उपयोग के लिए बनाई गई है। नोवा 2 के साथ हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जो उपयोगकर्ता पहली बार अपग्रेड कर रहे हैं या Ai+ में स्विच कर रहे हैं, उन्हें बिना किसी समझौते के उनकी सभी ज़रूरतें पूरी हों। हम 14 अप्रैल को बिक्री शुरू करने के लिए उत्साहित हैं और अधिक उपयोगकर्ताओं को Ai+ इकोसिस्टम से जोड़ना चाहते हैं।

दिनभर साथ निभाने वाला प्रदर्शन- नोवा 2 में 6000mAh की बैटरी दी गई है, जो पूरे दिन स्ट्रीमिंग, ब्राउज़िंग, गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए पर्याप्त है। यह ऐंड्रॉइड 16 पर आधारित NxtQuantum OS पर चलता है, जो शुरुआत से ही एक सहज और अनुकूलित अनुभव प्रदान करता है। इसमें 6.745-इंच का HD+ डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें 120H5 का एडैप्टिव रिफ्रेश रेट और HBM सपोर्ट है, जिससे कंटेंट देखने या रोजमर्रा के कार्यों के दौरान स्मूद विज़ुअल्स और सहज स्क्रॉलिंग मिलती है। कैमरा और डिज़ाइन जो रोजमर्रा के जीवन के लिए तैयार इस स्मार्टफोन में 50MP का रियर कैमरा दिया गया है, जो विभिन्न रोशनी की परिस्थितियों में स्पष्ट और प्राकृतिक तस्वीरें लेने में सक्षम है। साथ ही, 8MP का फ्रंट कैमरा सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए बेहतर स्पष्टता प्रदान करता है। नोवा 2 में IP64 रेटिंग के साथ एक परिष्कृत डिजाइन और साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर भी दिया गया है। यह पांच अलग-अलग रंगों — ग्रीन, पर्पल, पिंक, ब्लू , और ब्लैक — में उपलब्ध होगा, जिनमें से प्रत्येक एक अलग व्यक्तित्व को दर्शाता है।

रजिस्ट्री के बाद 12.5 लाख का चेक बाउंस, बेबस महिला पहुंची कलेक्टर की चौखट पर; न्याय की गुहार

फर्जी साइन कर दिया चेक, अब रजिस्ट्री वाली ज़मीन को दोबारा बेचने की तैयारी;

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर :- ज़िला उत्तर बस्तर कांकेर में ज़मीन धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया है। ग्राम प्रधानडोंगरी की निवासी बिमला बाई ने ज़िला कलेक्टर को आवेदन देकर अपनी कृषि भूमि के आगे होने वाले किसी भी प्रकार के विक्रय, दान या वसीयत पंजीकरण पर रोक लगाने की मांग की है। आरोप है कि खरीदार ने न केवल लाखों की धोखाधड़ी की, बल्कि अब महिला को डरा-धमका भी रहा है।

बिमला बाई और दिवंगत उग्रसेन सिंह के नाम पर ग्राम रानीडोंगरी में कुल 8 खसरा नंबरों की 11.59 हेक्टेयर कृषि भूमि दर्ज थी। पैसों की ज़रूरत होने पर उन्होंने इस ज़मीन का सौदा सेवन्त कुमार साहू (निवासी जमरुवा, बालोद) के साथ 25 लाख रुपये में तय किया था।

30 मई 2025 को उप-पंजीयक कार्यालय कांकेर में विक्रय बैनामा (Sale Deed) का निष्पादन किया गया। भुगतान के तौर पर खरीदार ने दो चेक दिए:

एक्सिस बैंक का चेक: 12,50,000 (क्लियर हो गया),IDFC फर्स्ट बैंक का चेक: 12,50,000 (चेक नंबर 000016) धोखाधड़ी तब शुरू हुई जब बिमला बाई ने दूसरा चेक (12.5 लाख रुपये) अपने बैंक ऑफबड़ौदा के खाते में जमा किया। 3 जून 2025 को वह चेक (हस्ताक्षर मिलान न होने) के कारण बाउंस हो गया। जब महिला ने सेवन्त कुमार साहू से संपर्क किया, तो उसने कोर्ट केस न करने की मिन्नतें कीं और डेढ़ महीने के भीतर नकद पैसे देने का झूठा

आश्वासन देकर समय काटता रहा। पीड़ित महिला का आरोप है कि जब उसने दोबारा अपने पैसों की मांग की, तो खरीदार ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। सेवन्त साहू ने पैसे देने से साफ़इनकार कर दिया और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उसने धमकी दी कि वह स्वयं एक अधिवक्ता (वकील) है और कानून उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उसने यह भी दावा किया कि वह इस ज़मीन को 10 अप्रैल 2026 तक किसी तीसरे पक्ष को बेच देगा। बिमला बाई ने पहले इस मामले की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी (SDO) चारामा के पास की थी। हालांकि, वहां से यह कहकर आवेदन निरस्त कर दिया गया कि विक्रय बैनामा पहले ही हो चुका है, इसलिए यह मामला उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है। अब पीड़िता ने ज़िला कलेक्टर को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में मांग की गई ,विवादित भूमि (खसरा नंबर 347, 354, 376, 442, 468, 491, 500, 526) के किसी भी तरह के हस्तांतरण पर तत्काल रोक (Stay) लगाई जाए। धोखाधड़ी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।

मैं एक अनपढ़ ग्रामीण महिला हूँ, जिसका फायदा उठाकर मेरे साथ छल किया गया है। मुझे मेरे हक के 12.5 लाख रुपये नहीं मिले हैं और अब मेरी ही ज़मीन को हड़पकर आगे बेचने की धमकी दी जा रही है।

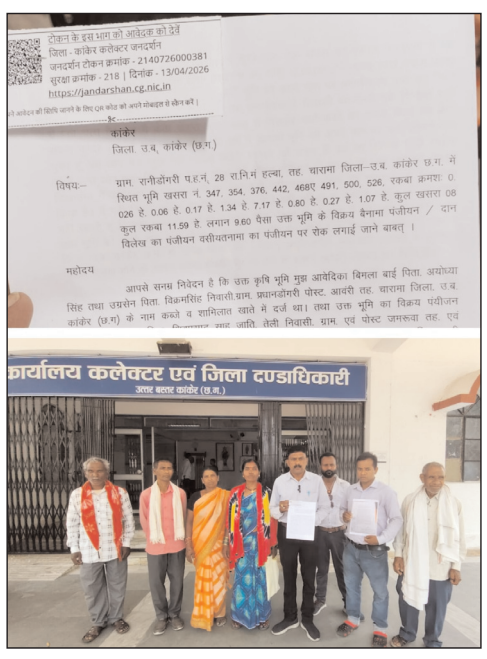

एलटीटी-हावड़ा-एलटीटी के मध्य 01-01 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एलटीटी-हावड़ा-एलटीटी के मध्य 01-01 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 01145 एलटीटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन एलटीटी से दिनाँक 14 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01146 हावड़ा-एलटीटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से दिनाँक 16 अप्रैल 2026 (गुरुवार) को चलेगी 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाडी की समय सारिणी गाड़ी संख्या 01145 एलटीटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन एलटीटी से दिनाँक 14 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को 20.15 बजे रवाना होगी तथा ठाणे आगमन 20.40 बजे, प्रस्थान 20.43 बजे, कल्याण आगमन 21.07 बजे, प्रस्थान 21.10 बजे दूसरे दिन नासिक रोड आगमन 00.15 बजे, प्रस्थान 00.18 बजे, भुसावल आगमन 03.35 बजे, प्रस्थान 03.40 बजे, अकोला आगमन 05.55 बजे, प्रस्थान 05.57 बजे, बडनेरा आगमन 07.55 बजे , प्रस्थान 07.58 बजे, नागपुर आगमन 10.15 बजे, प्रस्थान 10.20 बजे, गोंदिया आगमन 12.04 बजे, प्रस्थान 12.06 बजे, दुर्ग आगमन 14.15 बजे, प्रस्थान 14.20 बजे, रायपुर आगमन 14.55 बजे।

वरिष्ठता दरकिनार कर पदोन्नति! शिक्षा विभाग में पदोन्नति में घपले की चर्चा

डीईओ कार्यालय की पदोन्नति प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर-चांपा में चल रही पदोन्नति प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही है। विभागीय दस्तावेजों के आधार पर यह सामने आया है कि वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद पर पदोन्नति को लेकर नियमों की अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। दरअसल, जिले के शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में कार्यरत सहायक ग्रेड-2/लेखापाल (लेखा प्रशिक्षण उत्तीर्ण) कर्मचारियों की एक वरिष्ठता सूची जारी है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार इस सूची में भुवन लाल सिदार (लेखापाल, बीईओ अकलतरा) का नाम प्रथम क्रमांक पर दर्ज है। सेवा नियमों के अनुसार वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए वरिष्ठता सूची में शीर्ष स्थान पर दर्ज पात्र कर्मचारी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। लेकिन विभागीय सूत्रों का दावा है कि नियमों के विपरीत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ कनिष्ठ लेखा परीक्षक रामचंद्र कश्यप की पदोन्नति वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद पर करने की पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की कार्यवाही भी कर ली गई है, जिससे विभाग के भीतर ही कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार वरिष्ठता सूची में पहले स्थान पर भुवन लाल सिदार होने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर अन्य कर्मचारी को लाभ देने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि वरिष्ठता क्रम में कथित रूप से फेरबदल कर रामचंद्र कश्यप का नाम ऊपर लाने की कोशिश की गई, जिससे उन्हें पदोन्नति का लाभ मिल सके। जानकारों का कहना है कि यदि वरिष्ठता सूची को दरकिनार कर पदोन्नति दी जाती है तो यह सीधे-सीधे सेवा नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। इससे पात्र कर्मचारियों के अधिकारों का हनन भी हो सकता है। इधर, शिक्षा विभाग में पहले से ही पदोन्नति, नियुक्ति और पदस्थापना को लेकर कई तरह की चर्चाएं चलती रही हैं। ऐसे में यह नया मामला सामने आने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। बहरहाल, अब यह देखना होगा कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे मामले में क्या स्पष्टीकरण देते हैं और क्या वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया को पुनः परीक्षण किया जाएगा या नहीं।

पदोन्नति के लिए 40 से 50 हजार की चर्चा - जिले के शिक्षा विभाग में इन दिनों कर्मचारियों की पदोन्नति को लेकर हलचल तेज है। सूत्रों का दावा है कि भृत्य से सहायक ग्रेड-3, सहायक ग्रेड-3 से सहायक ग्रेड-2 तथा कनिष्ठ लेखा परीक्षक से वरिष्ठ लेखा परीक्षक के लगभग 50 पदों पर पदोन्नति की तैयारी चल रही है। आरोप है कि एक-एक पद पर पदोन्नति के लिए 40 से 50 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ कर्मचारी और संगठन से जुड़े लोग पदोन्नति दिलाने और मनचाही जगह पदस्थापना कराने का दावा कर रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक क्रांतिकारी पहल: रत्नावली कौशल

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने प्रेस वक्तव में कहा है कि ÷नारी शक्ति वंदन अधिनियम÷ भारत में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक व क्रांतिकारी कदम है। यह अधिनियम न केवल महिलाओं की गरिमा और सम्मान को संवैधानिक आधार प्रदान करता है, बल्कि उनकी भागीदारी को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ता है। रत्नावली कौशल ने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आर्थिक स्वावलंबन और निर्णय-निर्माण में बराबर अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। यह कानून घर, समाज, सरकारी तंत्र और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को संवैधानिक रूप से मजबूत करता है तथा उन्हें भेदभाव-मुक्त, सुरक्षित व गरिमापूर्ण वातावरण प्रदान करने पर बल देता है।रत्नावली कौशल ने बताया कि इस अधिनियम के तहत महिलाओं के लिए विशेष योजनाएँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्किल डेवलपमेंट, उद्यमिता विकास, वित्तीय सहायता और आवास-सुविधाओं को निर्धारित रूप से एकीकृत किया जा रहा है। इससे देश की आधी आबादी यानी महिलाएँ रोजगारदाता बनकर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारेंगी, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक विकास में भी सीधा योगदान देंगी।

रत्नावली कौशल ने जोर देकर कहा कि ÷नारी शक्ति वंदन अधिनियम÷ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, ग्रामीण व शहरी गरीब वर्ग की महिलाओं के लिए विशेष रूप से सकारात्मक है। इसके तहत उनके लिए आरक्षण, अनुदान, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा, कौशल-आधारित रोजगार और नेतृत्व के अवसर प्राप्त कराए जाएँगे, जिससे समाज में समानता, समावेशन व सामाजिक न्याय की नींव मजबूत होगी।रत्नावली कौशल ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में भी इस अधिनियम के उद्देश्यों को स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएँगे। महिलाओं को जागरूकता, कानूनी जानकारी, शिक्षा विस्तार, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण शिविर, वेबिनार, समुदाय-आधारित समूह व डिजिटल माध्यमों का समन्वित उपयोग किया जाएगा। रत्नावली कौशल ने केंद्र सरकार, राज्य सरकार, विधायिका, प्रशासन एवं समाज-सेवी संस्थाओं से अपील की कि वे इस अधिनियम की व्यवस्थाओं को पारदर्शी, समय-बद्ध और निष्पक्ष ढंग से लागू करें, ताकि महिलाएँ न केवल अधिकारों की वाहक बनें, बल्कि उन्हें व्यावहारिक रूप से जीवन के हर स्तर पर अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाओं की शक्ति को सम्मान, सुरक्षा और समानता के साथ बढ़ाया नहीं जाएगा, तब तक वास्तविक राष्ट्र-निर्माण संभव नहीं है।

डेम के गहरे पानी में डूबा प्लांट का कर्मचारी, 4 घंटे बाद गोताखोरों ने शव बरामद

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के घरघोड़ा क्षेत्र में रविवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहाँ सनस्टील प्लांट के एक कर्मचारी की डेम में डूबने से मौत हो गई। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुकेश महंत पिता बसंत दास निवासी ग्राम भेंड्रा जो सनस्टील प्लांट के टेक्नो गार्ड विभाग में कार्यरत थे। रविवार सुबह लगभग 11 बजे वे अपने साथियों के साथ घरघोड़ा क्षेत्र स्थित बनखेता स्टाफ डेम में नहाने गए थे। इसी दौरान वे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथियों द्वारा बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।घटना की सूचना तत्काल आसपास के ग्रामीणों और घरघोड़ा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और गोताखोर मौके पर पहुँचे तथा डेम में गहन खोजबीन शुरू की गई।

लगभग चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने मुकेश महंत के शव को पानी से बरामद कर लिया।घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुँच गए, जिससे माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए घरघोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है।

फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

भैरमगढ़ में सर्व आदिवासी समाज अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ का गठन, शिवकुमार पुनेम अध्यक्ष मनोनीत

बैठक में रिक्त महासचिव पद पर व्ही.के. ओयाम की नियुक्ति, कई पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

भैरमगढ़/मूक पत्रिका

सर्व आदिवासी समाज ब्लाक ईकाई भैरमगढ़ अंतर्गत अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के नए पदाधिकारियों का मनोनयन करते हुए गठन प्रक्रिया रविवार को पूर्ण कर ली गई। आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी, सी.एस. नेताम, भाव सिंह भास्कर तथा भैरमगढ़ सामान्य प्रभाग के ब्लाक अध्यक्ष सीताराम मांझी सहित कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों की घोषणा की गई।गठन के तहत संरक्षक के रूप में आर.एस. नेताम, बी.एस. नाग एवं अनिल मरावी को जिम्मेदारी दी गई। शिवकुमार पुनेम को अध्यक्ष बनाया गया। उपाध्यक्ष पद पर लीला कोर्राम, लक्ष्मण हपका, कृष्णा तेलाम, रैली ओयाम, बुधराम तेलम एवं के.आर. कश्यप को मनोनीत किया गया। सचिव पद पर एन.के. वेट्टी तथा सह सचिव के रूप में लालूराम कुंजाम को जिम्मेदारी सौंपी गई।

कोषाध्यक्ष पद पर सुखदास कुरूद को नियुक्त किया गया, जबकि सहायक कोषाध्यक्ष के रूप में मोतीराम मण्डावी एवं टी.आर. कुहरामी को जिम्मेदारी दी गई। प्रवक्ता के रूप में लक्ष्मण हपका (शिक्षा विभाग) तथा सह प्रवक्ता के रूप में राजेश्वरी उरसा को मनोनीत किया गया। सलाहकार मंडल में मनबत कुपाल, सोनाराम हेमला, मनमोहन गागड़ा एवं प्रताप कुजूर को शामिल किया गया। संगठन मंत्री के रूप में बलराम मिंज, बेलोनिषा नेताम, आकांक्षा मण्डावी, बलराम कुड़ियाम, गंगाराम मरकाम एवं अरविन्द कुपाल को जिम्मेदारी दी गई। वहीं सक्रिय सदस्यों में दुलाराम कश्यप, लक्ष्मण जुर्री, महादेव हपका, मेघराज पदमाकर, पोदियाराम कोवासी, मोहनलाल मोर्य, जगमोहन मण्डावी, सरोज कर्मा, उर्मिला शाह मण्डावी, किरण नेताम, राकेश ओयाम, मुन्ना राम तेलाम, सीताराम परबुलिया, गनपत मण्डावी, सुरेश नेताम, शंकर राठिया, कपिल शोरी, अशोक मिंज, मोतीराम बेलसरिया एवं परदेशी सिद्धार्थ को शामिल किया गया। समाज प्रमुखों ने बताया कि 5 अप्रैल 2026 को सामान्य, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ गठन के दौरान महासचिव पद रिक्त रह गया था, जिसे भरते हुए व्ही.के. ओयाम को महासचिव मनोनीत किया गया। बैठक के अंत में सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों को संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

आम के पेड़ पर झूलती मिली युवक की लाश, क्षेत्र में सनसनी

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

घरघोड़ा थाना क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ एक युवक की लाश आम के पेड़ पर फंदे से झूलती हुई मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक युवक सरोज चक्रवर्ती (पिता ङ्क घूरवा), उम्र लगभग 27 वर्ष, बड़े गुमड़ा खालेपारा का निवासी था। बताया जा रहा है कि वह कल शाम से घर नहीं लौटा था। आज सुबह जब ग्रामीण महुआ बीनने के लिए गांव के अमरैया क्षेत्र में पहुँचे, तब उन्होंने आम के पेड़ पर गमछे के फंदे से लटका हुआ शव देखा। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक की पहचान होने के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि सरोज की शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व हुई थी और उसका एक दो वर्षीय बच्चा भी है।ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना घरघोड़ा पुलिस को दी। पुलिस कि जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा

रायगढ़ में फर्जी मैट्रिमोनियल साइट के नाम पर साइबर ठगी का बड़ा खुलासा

लोक सेवा केंद्र की आड़ में चल रहे साइबर फ्रॉड करने वाले रैकेट का मास्टर माइंड सहित टीम पर कार्रवाई

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह को प्राप्त सूचना पर रायगढ़ पुलिस द्वारा फर्जी मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से लोगों से ठगी करने वाले संगठित गिरोह का खुलासा किया गया है। सूचना के आधार पर एडिशनल एसपी अनिल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा, थाना साइबर प्रभारी निरीक्षक विजय चेलक तथा थाना साइबर एवं महिला थाना की संयुक्त टीम द्वारा दरोगापारा स्थित निधि परिवहन केंद्र में रेड कार्रवाई की गई।प्रारंभिक जांच में पाया गया कि केंद्र संचालक कपिल गर्ग द्वारा पूर्व में लोक सेवा केंद्र के माध्यम से आरटीओ संबंधी कार्य किया जाता था, किंतु उसकी आईडी एक माह पूर्व निरस्त हो चुकी थी। कार्यालय में फर्जी मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म संचालित किया जा रहा था, जहां ÷इंडिया मैट्रिमोनी÷ नाम से ऑनलाइन विवाह प्रस्तावों के नाम पर लोगों को जाल में फंसाया जाता था।प्रारंभिक जांच में पाया गया कि कपिल गर्ग और उनकी टीम जिसमें दर्जनों युवतियां शामिल है, ये युवतियां फर्जी जीमेल आईडी एवं अपने मोबाइल नंबरों का उपयोग कर यूट्यूब चैनल बनाई हुई थी, जिनमें फेक प्रोफाइल के वीडियो एवं फोटो अपलोड कर अपना संपर्क नंबर साझा किए जाते थे। संपर्क करने वाले व्यक्तियों से पहले उनका बायोडाटा लिया जाता था, इसके बाद रजिस्ट्रेशन फीस यूपीआई के माध्यम से वसूला जाता था। आगे पसंद की गई प्रोफाइल से बातचीत कराने के नाम पर मीटिंग आईडी जनरेट करने हेतु पुनः यूपीआई से फीस ली जाती थी और व्हाट्सएप के माध्यम से क्यूआर कोड भेजकर भुगतान कराया जाता था।आरोपियों द्वारा इस प्रकार लगातार विभिन्न बहानों से रकम वसूली कर अंततः यह कहकर संपर्क समाप्त कर दिया जाता था कि संबंधित युवती को रिश्ता पसंद नहीं है, और फिर नए शिकार की तलाश की जाती थी। संदेही कपिल गर्ग से मिली जानकारी के आधार पर दरोगापारा स्थित श्रीमती शांति देवी सोसायटी ऑफ एजुकेशन केंद्र पर भी पुलिस द्वारा दबिश दी गई, जहां की संचालिका हिमांशु मेहर ने बताया कि वह पिछले 3 साल से कपिल गर्ग से जुड़ी हुई है, उसके कहने पर उसके आफिस से भी लड़कियां इसी प्रकार यूट्यूब के माध्यम से लोगों से संपर्क करती थी । संदेही कपिल गर्ग के निधि परिवहन केन्द्र की जांच के दौरान लैपटॉप में फोटोशॉप सॉफ्टवेयर के जरिए दस्तावेजों में छेड़छाड़ के प्रमाण मिले तथा कार्यालय से विभिन्न शासकीय विभागों के सील-मुहर भी बरामद किए गए हैं। दोनों आफिस के संचालकों और युवतियों से पूछताछ कर मामले में जांच जारी रही है

आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास को बढ़ावा, 48 हितग्राहियों के लिए 1.72 करोड़ मंजूर

बीजापुर। नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के पुनर्वास की दिशा में जिला प्रशासन ने अहम पहल की है। कलेक्टर संबित मिश्रा ने छत्तीसगढ़ नक्सलवाद आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति के तहत 48 आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपए के आहरण और वितरण की स्वीकृति दी है। प्रशासन का कहना है कि इस आर्थिक सहायता से आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने में मदद मिलेगी। उन्हें स्वरोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि वे स्थायी रूप से सामान्य जीवन जी सकें।जिला प्रशासन के मुताबिक, यह कदम नक्सल उन्मूलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मौके से टिफिन बम और पिस्टल जब्त

कांकेर में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी: छोटेबेटिया के जंगलों में गूंजी गोलियां,सर्च ऑपरेशन के दौरान मारी गई ष्टरूरूपी,

विक्रम ठाकुर /कांकेरः- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहाँ सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को ढेर कर दिया गया है। यह सफलता उत्तर बस्तर कांकेर के छोटेबेटिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले माचपल्ली और आरमझोर के जंगलों में मिली है। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि परतापुर एरिया कमेटी के सशस्त्र माओवादी कैडर इलाके में छिपे हुए हैं। इसी सूचना के आधार पर 12 अप्रैल 2026 को डीआरजी (ष्ठक्रत्र) की टीम ने एक विशेष सर्च ऑपरेशन शुरू किया। आज सुबह यानी 13 अप्रैल की सुबह जब जवान माचपल्ली-आरमझोर हिदूर के जंगलों में पहुंचे, तो नक्सलियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद नक्सली वहां से भाग खड़े हुए। फायरिंग थमने के बाद जब इलाके की तलाशी ली गई, तो वहां से एक महिला नक्सली का शव बरामद हुआ।

मारे गए नक्सली की पहचान ष्टरू रूपी के रूप में हुई है, जो परतापुर एरिया कमेटी की सदस्य थी और उस पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों को भारी मात्रा में हथियार और सामान भी मिला है, जिसमें एक 9द्वद्व पिस्टल, मैगजीन, 8 जिंदा कारतूस, 4 डेटोनेटर, वॉकी-टॉकी, टिफिन बम, मोबाइल, ?17,000 नगद और नक्सली साहित्य शामिल है। कांकेर एसपी निखिल अशोक राखेचा ने बताया कि इलाके में अभी भी डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ और बीएसएफ की टीमें मिलकर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

इस घटना के बाद बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने अन्य सक्रिय नक्सलियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने बरसे देवा और रूपेश जैसे पूर्व माओवादियों का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार आत्मसमर्पण करने वाले कैडर्स के पुनर्वास और शांतिपूर्ण जीवन के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।